जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 319 प्रभात बीकानेर, बुधवार 11 जून, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

प्रियंका गांधी कहाँ हैं आजकल?

पिछले कुछ महीनों से इतनी शांति और चुप्पी क्यों है उनकी तरफ से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। पिछले कुछ महीनों से प्रियंका गांधी की ओर से अजीब सी चुप्पी क्यों छाई हुई है, वे एक तरह से एकांतवास में है और संपर्क से दूर हैं।

यह सवाल पार्टी के कोने-कोने में कांग्रेसियों को परेशान कर रहा है

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी ने कम से कम बिहार चुनावों तक शांत रहने का फैसला किया है और उसके बाद ही अपनी अगली चाल का खुलासा करेंगी।

कुछ लोग मानते हैं कि प्रियंका, राहुल गांधी के करीबी एक वरिष्ठ नेता को अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की ईडी संबंधी कानूनी परेशानियों के लिए जिम्मेदार मानती हैं, क्योंकि रॉबर्ट वाड्रा को विभिन्न भूमि सौदों और अन्य मामलों में पूछताछ के लिए बार-बार बुलाया जा रहा है।

प्रियंका को लगता है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर के तत्वों द्वारा उन्हें नियंत्रण में रखने और जमीन पर बांधे रखने की साजिश रची गई है।

कुछ नेताओं का मानना है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता प्रियंका और रॉबर्ट के खिलाफ, राहुल गांधी की सहमति के बिना काम नहीं कर सकते थे, जबकि अन्य का तर्क है कि राहुल अपनी बहन प्रियंका से बहुत प्यार करते हैं। भाई-बहन के बीच प्यार के बावजूद, यह भी एक तथ्य है कि प्रियंका लगभग दो साल से बिना पोर्टफोलियो के एआईसीसी महासचिव रही हैं और उनके अनुसार, यह एक बड़ी साजिश है।

चुनावों के दौरान उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार किया है, लेकिन उनकी सक्रियता यहीं तक सीमित रही है। उन्होंने अहमदाबाद में सत्र में भाग नहीं लिया, जहाँ सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इससे कार्यकर्ताओं की भौंहें तन गईं थी और कई सवाल उठे जिनके जवाब नहीं मिले।

उनके कई वफादारों और कैम्प वालों ने पाला बदल लिया है और प्रियंका के साथ अपना भाग्य जोड़ने के बजाय, अस्तित्व बनाए रखने और ऊपर की ओर बढ़ने का रास्ता चुना है। यह इंगित करता है कि पार्टी में हवा किस दिशा में बह रही है।

कांग्रेस में यह भी अटकलें हैं कि उनके द्वारा नियुक्त किए गए कुछ सचिवों व अन्य पदाधिकारियों को अगले एआईसीसी फेरबदल में बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि राहुल खेमे और उनके वफादारों में असुरक्षा की भावना है कि एक सक्रिय और प्रो-एक्टिव प्रियंका उनमें से कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उनके नज़दीक के लोगों का कहना है, बिहार के चुनाव तक ऐसा रूप धारण करने का निर्णय लिया है, उन्होंने।
- प्रियंका गांधी की शिकायत है कि राहुल के निकटस्थ सलाहकार (उनका इशारा शायद के.सी. वेणुगोपाल की ओर है) की वजह से ईडी बार-बार उनके पति रॉबर्ट वाड्रा को बुला रही है, पूछताछ के लिए।
- उनके नज़दीकी ग्रुप का यह भी मानना है कि यह एक साजिश है कि दो साल से वे एआईसीसी में महासचिव नियुक्त हैं, पर, बिना किसी जिम्मेवारी के, यानि बिना पोर्टफोलियो के।
- चुनाव के समय उन्हें प्रचार के लिए बुला लिया जाता है। पर, हर महत्वपूर्ण अवसर पर पार्टी उन्हें भूल जाती है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में आयोजित पार्टी के अधिवेशन में उन्हें नहीं बुलाया गया।
- इन हालात में कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके खेमे वाले लोग भी अब उनका साथ छोड़कर अन्यत्र ठौर ढूंढ़ने लगे है।

साहू आरपीएससी अध्यक्ष, मेहरड़ा कार्यवाहक डीजीपी बने

जयपुर 10 जून। राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू (यू. आर.साहू) को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद का अतिरिक्त चार्ज सौंपा है। चूंकि 30 जून 2025 को मेहरड़ा भी रिटायर हो रहे हैं, इसलिए फिलहाल उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों नियुक्तियों के साथ ही, अब प्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक बनाने की कवायद भी तेज हो गई है। चर्चाएं हैं कि राजस्थान सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर एक पैनल केन्द्र सरकार को भेजा है, और केन्द्र की मंजूरी के बाद राजस्थान पुलिस के नए मुखिया का नाम तय हो सकेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को आदेश जारी कर राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नये पुलिस महानिदेशक के लिए राज्य सरकार ने केन्द्र को पैनल भेजा है। मंजूरी आने के बाद नए मुखिया का नाम तय होगा।

जयपुर के 11 युवक बनास नदी में डूबे, 8 की मौत, 3 को बचाया

सभी युवक पिकनिक मनाने आए थे

टोंक, 10 जून। पुरानी पुलिया के पास बनास नदी में डूबने से 8 लोगों की मौत हो गई। घूमने आये 11 युवकों में से तीन युवकों को बचा लिया गया है। मरने वाले सभी लोग जयपुर के रहने वाले थे, जो पिकनिक मनाने आये थे।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हादसा मंगलवार दोपहर सदर थाना क्षेत्र के कच्चा बांध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ, जिसमें 11 युवक नदी में डूबे थे, हादसे में 8 की मौत हो गई और तीन को स्थानीय लोगों ने बचा लिया है। ये सभी दोस्त पिकनिक मनाने जयपुर से टौंक, बनास नदी पर आये थे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि कुछ युवक नहाने के लिए नदी में उतरे थे और डूबने लगे, इन्हें बचाने के लिए बाकी दोस्त भी नदी में उतर गए और हादसे का शिकार हो गए। सभी की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। युवकों के शवों को सआदत हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे में नौशाद उम्र 35 साल, कासिम, फरहान निवासी हसनपुरा व रिजवान उम्र 26 साल, निवासी घाटगेट, नवाब खान उम्र 28 साल, निवासी पानीपेच कच्ची बस्ती, बल्लू, साजिद, नावेद उम्र 30 साल निवासी रामगंज बाजार, जयपुर की डूबने से मौके पर मौत हो गई। शाहरुख, सलमान व समीर को वहां मौजूद ग्रामीणों ने बचा लिया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी ट्वीट करके हादसे पर दुख जताया है। साथ ही, जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी व टोंक विधायक सचिन पायलट, सांसद हरीश मीणा तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिह मेहता ने भी इस दुखभरी घटना पर संवेदना जाहिर की है। इसी प्रकार, प्रदेश के ऊर्जा एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

- हादसा कच्चा बाँध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ।
- बताया जाता है, इनमें से कुछ युवक नदी में नहाने उतरे और डूबने लगे तो उनके साथी उन्हें बचाने कूदे, वे भी डूबने लगे। इनमें से तीन को बचा लिया गया, बाकी 8 की मौत हो गई।
- सभी युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। शवों को टोंक के सआदत अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

राजेश पायलट की "पुष्पांजलि सभा" में कांग्रेस के कई दिग्गज शामिल होंगे

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सभा स्थल पर छाया व पानी की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया

दौसा, 10 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट स्मारक भंडाना व जीरोता में राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर पुष्पाजंलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस के कई दिग्गजों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है।

आयोजन स्थल पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट के निर्देशन में सांसद मुरारी लाल मीना, विधायक दीन दयान बैरवा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छाया व पानी की व्यवस्था के साथ ही वीआईपी शामियाना लगा दिया गया है।

साथ ही, सचिन पायलट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पुष्पाजंलि सभा के लिए निमंत्रण देना चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने स्वयं सभा स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं को देखा।

उल्लेखनीय है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं किसान नेता राजेश पायलट का 11 जून 2000 को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। राजेश पायलट दौसा लोकसभा से पांच बार सांसद निर्वाचित हुये थे और केन्द्र में सड़क परिवहन, दूरसंचार, गृह सहित, अनेक विभागों के काबीना मंत्री भी रहे थे। स्व. राजेश पायलट भारत सरकार में मंत्री रहने के साथ ही, पूर्व में भारतीय वायु सेना में अधिकारी के पद पर भी रह चुके थे। बताया जाता है कि राजेश पायलट का मूल नाम राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी था, लेकिन 1980 में भरतपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ते समय उन्होंने अपना उपनाम बदल लिया तथा राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी से राजेश पायलट के नाम से पहचाने जाने लगे।

गहलोत के निमंत्रण को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सचिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

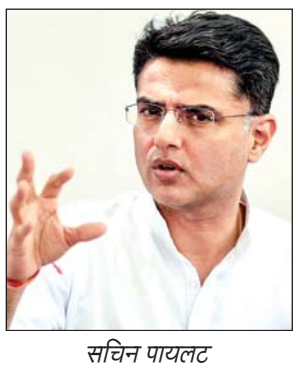

सचिन पायलट

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट दौसा से 5 बार सांसद निर्वाचित हुए थे। एक सड़क दुर्घटना में 11 जून 2000को उनका निधन हुआ था।

नाबालिग को ब्लैकमेल कर शोषण करने वाले को 20 साल की कैद

जयपुर, 10 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम-1, महानगर, द्वितीय ने 17.5 साल की नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त दीपक बारी को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में ऐसी घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। यदि अदालत की ओर से ऐसे अपराधियों के प्रति नरमी का रुख बरता गया तो उनके हौंसले बुलंद होंगे।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 3 दिसंबर 2020 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि 17

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अभियुक्त ने पीड़िता के अश्लील वीडियो बनाए और धमकी देकर दुष्कर्म किया।

'प्रधानमंत्री ने 11 वर्ष में राजस्थान को केन्द्रीय योजनाओं में 2 लाख 11 हजार करोड़ रू. दिये'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति बन रहा है

जयपुर, 10 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। सन् 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया, पर, यात्रा यहाँ समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।

केन्द्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के पूर्व पीए को जासूसी केस में जेल भेजा

जयपुर, 10 जून। शहर की निचली अदालत ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता के पूर्व पीए और सरकारी कर्मचारी शकूर खान को न्यायिक अभिरक्षा में 21 जून तक जेल भेज दिया है।

विशेष थाना पुलिस की ओर से आरोपी को महानगर प्रथम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर होने के चलते, मामले की सुनवाई लिंक कोर्ट के जज हरिमोहन मीणा ने की। विशेष थाना पुलिस ने आरोपी को पीठासीन अधिकारी के समक्ष पेश कर कहा कि प्रकरण में फिलहाल आरोपी से पूछताछ पूरी हो गई है। ऐसे में उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया जाए।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शकूर खान पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने तथा बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान जाने का आरोप है।

इंडियन एयरफोर्स पाक वायु सेना से बहुत बेहतर है पर चीन यह समीकरण बदल सकता है

इंडियन एयरफोर्स विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है, और पाकिस्तान से दोगुनी है

-जाल खंताबा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। भारतीय वायुसेना (इण्डियन एयर फोर्स) वास्तव में दुनिया की सबसे सक्षम और सम्मानित वायु सेनाओं में से एक मानी जाती है। आइए देखें कि ऐसा क्यों है, और इण्डियन एयर फोर्स किन किन चुनौतियों का सामना कर रही है।

कर्मियों और विमानों की संख्या के लिहाज से यह विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है। इसमें 1700 विमान हैं, जिनमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और यूएवी अर्थात मानव रहित विमान शामिल हैं। इसके पास पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी विमान संख्या और जनशक्ति है, लेकिन अगर चीन शामिल होता है तो खतरा बढ़ जाता है।

भारतीय वायु सेना शक्तिशाली लड़ाकू विमानों का संचालन करती है, जैसे सुखोई एसयू-30एमकेआई, जो भारतीय बेड़े की रीढ़ है, राफेल, यह उच्च श्रेणी का 4-5 पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर विमान है। मिराज 2000, मिग-29 और स्वदेशी तेजस। हमारी वायु सेना की रणनीतिक क्षमता अद्वितीय है। यह गहराई तक हमले करने में सक्षम है और इसके पास परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता वाले विमान हैं। जहाँ तक प्रशिक्षण की बात है, हमारे पास अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हैं। वायु सेना अमेरिका, फ्रांस, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसी वायु सेनाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय अभ्यासों में भागीदारी करती है।

भारतीय वायु सेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। तेजस, भारत का स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान, आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान वायु सेना से कमज़ोर मानना वस्तुनिष्ठ तथ्यों के आधार पर सही नहीं है। भारतीय वायु सेना के पास 1700 विमान व 1.40 लाख कर्मी है। वहीं, पाकिस्तान की वायु सेना के पास 800 विमान व 70,000 कर्मी है। भारतीय वायु सेना की क्षमता पाकिस्तान की वायु सेना से दोगुनी है।

जहाँ तक लड़ाकू विमान का प्रश्न है, भारत के मुख्य लड़ाकू विमान से सु-30 एमकेएल, राफेल, मिराज 2000, तेजस, मिग-29, जेएफ-17 (ब्लॉक्ड सर्वाधिक उन्नत), एफ-16, मिराज थर्ड/फिफ्थ। भारतीय वायु सेना के सु 30एमकेएल और राफेल विमान जेएफ-17 व पुराने एफ-16 की तुलना में श्रेष्ठ हैं।

पाकिस्तान के पास एफ-16 सक्षम हैं, लेकिन उनकी संख्या सीमित है, उसके पास ऐसे 75 विमान है। 3, फोर्स मल्टीप्लायर अर्थात एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) में भारत के पास फाल्कन (इज़रायली), नेत्रा (स्वदेशी) हैं, तो पाकिस्तान के पास साब 2000 एईडब्ल्यू एण्ड सी तथा चीन में बने जैडडीके-03 हैं। इस हिसाब से भारत के पास बेहतर रडार कवरेज और रेंज है। हवा में ईंधन भरने के लिए भारत के पास आईएल-78 एमकेएल बेड़ा है और पाकिस्तान के पास टैंकर विमान बहुत कम हैं।

जहाँ तक चुनौतियों की बात है, भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने हो चुके विमान हैं। कई विमान (जैसे मिग-21) अब पुराने हो चुके हैं और इन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। इन पुराने विमानों से कभी-कभी दुर्घटनाएं हो जाती है तथा इनमें रखरखाव की समस्याएं होती रहती हैं। दूसरी चुनौती है, स्क्वॉड्रन, भारतीय वायु सेना 42 स्क्वॉड्रन चाहती है। वर्तमान में लगभग 30-32 स्क्वॉड्रन परिचालन में हैं, इस कमी से दीर्घकालिक संचालन योग्यता पर असर पड़ता है। तीसरी चुनौती है, खरीद प्रक्रिया में देरी होना। नौकरशाही की बाधाओं ने आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। नए विमानों का समावेश अक्सर योजनाबद्ध समय से अधिक समय लेता है।

इसके अलावा, आधुनिकीकरण के लिए आयात पर निर्भरता बड़ी चुनौती है, "मेक इन इंडिया" जैसे प्रयासों के बावजूद, वायु सेना अब भी उन्नत प्लेटफार्म और तकनीक के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर काफी निर्भर है।

भारतीय वायु सेना आधुनिक हो रही है और भारत की रक्षा और रणनीतिक प्रतिरोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लेकिन किसी भी सैन्य बल की तरह इसमें भी सुधार की गुंजाइश है, विशेष रूप से बेड़े के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता में।

जहाँ पाक वायु सेना की बात है, वह पेशेवर, फुर्तीली और रणनीतिक रूप से सजग है, वहीं, आईएएफ के पास निम्न क्षेत्रों में स्पष्ट बढ़त है, जैसे, बेड़े का आकार और विविधता, उन्नत विमान (विशेषकर एसयू-30एमकेआई और राफेल) स्वदेशी उत्पादन और सहायता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत के पास 1700 आधुनिक लड़ाकू विमान और 1.40 लाख कर्मी हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 800 लड़ाकू विमान और 70,000 कर्मी हैं।
- भारत में सेना के आधुनिकीकरण में कई नौकरशाही और राजनीति संबंधी चुनौतियां हैं, जिनके कारण वायु सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया धीमी है।
- इसके अलावा चीन, पाकिस्तान को आधुनिकतम हथियारों व लड़ाकू विमानों की निरंतर सप्लाई कर रहा है। अगर भारत ने आधुनिकीकरण प्रक्रिया तीव्र नहीं की तो भारत प्राप्त बढ़त कम हो सकती है।

एनसीपी का विलय नहीं हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,10 जून। आज, 10 जून को, विलय के बजाय, शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के दोनों गुटों ने पुणे में पूरी तरह से अलग-अलग स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिला कि कोई विलय नहीं हुआ है।

शरद पवार का गुट शिवाजीनगर के बालगंधर्व रंगमंदिर में एकत्रित हुआ, जहाँ झंडा फहराया गया और उन्होंने तथा सुप्रिया सुले ने एक रैली को संबोधित किया। इस बीच, अजित पवार के गुट ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपनी अलग रैली आयोजित की - जिसमें झंडा फहराना, भाषण और महायुति गठबंधन के साथ शक्ति प्रदर्शन भी शामिल था।

दोनों पक्षों ने किसी भी विलय योजना या चर्चा से स्पष्ट रूप से इनकार किया। शरद पवार के गुट ने आगामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्थापना दिवस पर शरद पवार और अजित ने पुणे में पृथक-पृथक कार्यक्रम आयोजित किए।

विचार बिन्दु

उत्साह मनुष्य की भाग्यशीलता का पैमाना है। -तिरुवल्लुवर

देश की कुल जीडीपी और प्रति व्यक्ति जीडीपी में फर्क

कहा जा रहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान लगभग हासिल कर लिया है। यह इस आधार पर बताया जा रहा है कि 2025 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.187 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि जापान का जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर है। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अप्रैल 2025 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में दी गई है। इसी के आधार पर अर्थशास्त्री आगे की संभावनाओं का हिसाब लगाने में जुट गये हैं। उनका अनुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था जिस गति से बढ़ रही है, उससे हमारा देश 2028 तक जर्मनी को पछाड़ कर अमरीका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारत, जो कभी एक विकासशील देश के रूप में जाना जाता था और जिसकी करीब दो प्रतिशत विकास वाली अर्थव्ययवस्था की धीमी दर को हिन्दू ग्रोथ रेट कह कर मजाक उड़ाया जाता था, वह आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। पिछले दस वर्षों में भारत ने जिस रफ्तार से आर्थिक उन्नति करते हुए अपनी जीडीपी को दुगना कर लिया है, वह न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की साख को मजबूती देने वाला है। इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कुछ लोग इसे केंद्र सरकार की नीतियों- जैसे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ज़ोर का परिणाम मानते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ आलोचक इस विकास को सतही मानते हैं। उनका तर्क है कि जब तक हर नागरिक को रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलतीं, तब तक भारत विकसित देशों के बराबर नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि हैं कि भले ही कुल जीडीपी के मामले में भारत ने दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था का स्तर पा लिया है, किन्तु प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में वह बहुत नीचे 143वें स्थान पर है। देश की जीडीपी और प्रतिव्यक्ति जीडीपी दोनों आर्थिक सूचकांक हैं, लेकिन इन दोनों का मतलब और उद्देश्य अलग-अलग होता है। इनके बीच अंतर क्यों होता है, इसे समझना चाहिए। जीडीपी और प्रति व्यक्ति जीडीपी के बीच मुख्य अंतर यह है कि जीडीपी किसी देश द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य है, जबकि प्रति व्यक्ति जीडीपी देश के प्रति व्यक्ति आर्थिक उत्पादन का एक माप है। इसका अर्थ यह हुआ कि किसी देश की आबादी का कितना हिस्सा आर्थिक उत्पादन में लगा है, यह उसका भी माप होता है। उदाहरण के लिए भारत की जीडीपी अगर 300 लाख करोड़ रुपये है, तो यह देश की कुल कमाई है। जीडीपी को देश की कुल जनसंख्या से विभाजित कर दिया जाए, तो जो आंकडा आता है वह प्रतिव्यक्ति जीडीपी कहलाता है। यह दर्शाता है कि एक औसत व्यक्ति पर कितनी आय बनती है। इससे अर्थशास्त्री तथा नीति निर्माता जीवन स्तर और आर्थिक समृद्धि को मापते हैं। इससे एक चीज स्पष्ट है कि यदि किसी देश की जनसंख्या बहुत ज्यादा है, तो चाहे जीडीपी अधिक हो, प्रतिव्यक्ति जीडीपी कम हो सकती है। जैसे भारत की कुल जीडीपी बहुत बड़ी हो जाने पर भी यहां जनसंख्या ज़्यादा होने से प्रति व्यक्ति औसत कम रह जाता है। उदाहरण से समझें। अमेरिका की जीडीपी भारत से बड़ी है और जनसंख्या कम है, इसलिए उसकी प्रतिव्यक्ति जीडीपी भी बहुत ज्यादा है। अधिक विकसित देशों और छोटे, अमीर देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी अधिक होती है। भारत जैसे उच्च जीडीपी लेकिन अधिक आबादी वाले देश में स्वाभाविक रूप से प्रति व्यक्ति जीडीपी मूल्य कम दिखेगी। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मोनाको, लिकटेंस्टीन, लक्जमबर्ग, बरमूडा, केमैन आइलैंड्स और स्विट्जरलैंड छह देश/क्षेत्र हैं, जिनमें प्रति व्यक्ति जीडीपी सबसे अधिक है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि यदि किसी देश की जनसंख्या अधिक है तो उसका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद मूल्य कम हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को एक और नज़रिए से भी देखा जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय लगभग दो लाख रुपये थी जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में वार्षिक वृद्धि दर 8.6 प्रतिशत रही। यहां यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत में प्रतिव्यक्ति की यह दर जीडीपी की 6.4 प्रतिशत के आसपास की वार्षिक वृद्धि दर से अधिक है। इसलिए ऐसा नहीं है कि प्रतिव्यक्ति आय नहीं बढ़ रही है। यह भी सच है कि देश की जीडीपी उसकी समृद्धि का सूचक नहीं होती, मगर वह देश की कुल आर्थिक ताकत जरूर बताती है। दूसरी तरफ प्रतिव्यक्ति जीडीपी जीवन स्तर और लोगों की औसत आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार निम्न और उच्च आय स्तर वाले देशों के व्यक्तियों के लिए आय का उपभोग के लिए अधिक महत्व नहीं होता है, लेकिन मध्यम आय स्तर वाले देशों में यह संबंध होता है। निम्न आय वाले देशों के लोग अपने बजट का उपयोग मुख्य रूप से उपभोग के लिए करते हैं, क्योंकि उन्हें मुख्य रूप से अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने की जरूरत होती है। उच्च आय वाले देशों के लोगों के पास खर्च करने के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होते हैं और वे उपभोग के साथ-साथ निवेश भी बढ़ा सकते हैं। साथ ही, आय का एक मध्यम स्तर लोगों को अपनी भावी जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए अधिक बचत करने को बढ़ावा दे सकता है। इसीलिए उपभोग, आय और सकल घरेलू उत्पाद के बीच संबंध सभी देशों में महत्वपूर्ण माना जाता है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए यह और भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। हम इस परिणाम को इस तथ्य के रूप में ले सकते हैं कि उपभोग और आय का अधिक स्तर जीवन स्तर को बढ़ाता है, लेकिन उच्च आय वाले उन देशों के लिए यह कम महत्व का इसलिए होता है क्योंकि वहाँ के लोग निवेश और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अधिक कुशल होते हैं, विशेष रूप से मानव पूंजी में। अर्थशास्त्री एक मनोवैज्ञानिक नियम की बात भी करते हैं, जिसके अनुसार जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ता है, आय और उपभोग के बीच का अंतर भी बढ़ता है। अनुभवजन्य साक्ष्य भी ऐसा ही बताते हैं। यह भी कि उपभोग की आदतें आय के स्तर पर निर्भर करती हैं। उपभोग और आय संसाधन का स्तर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के निर्माण में अलग-अलग योगदान करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का तेज़ी से बढ़ना कोई संयोग नहीं है। एक सुव्यवस्थित रणनीति, मेहनत, नवाचार और सही नेतृत्व के बिना ऐसा होना संभव नहीं है। आशावादी लोग मानते हैं कि यदि यही प्रवृत्ति बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

उपभोग और आय संसाधन का स्तर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के निर्माण में अलग-अलग योगदान करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का तेज़ी से बढ़ना कोई संयोग नहीं है। एक सुव्यवस्थित रणनीति, मेहनत, नवाचार और सही नेतृत्व के बिना ऐसा होना संभव नहीं है। आशावादी लोग मानते हैं कि यदि यही प्रवृत्ति बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

लेकिन हर बार जब इस तरह के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल ज़रूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक़्क़ी का असर उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी पड़ा है? यह ज़रूर है कि अगर देश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो यह उम्मीद स्वाभाविक ही की जाती है कि इसका फ़ायदा सभी वर्गों तक पहुंचेगा। लेकिन इसके दो अहम पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक है देश के युवाओं की बहुत बडी आबादी को लाभकारी रोजगार मिले और दूसरा बढ़ रही संपत्ति का आबादी में समान बंटवारा हो। हर हाथ को रोजगार मिले इसके लिए शिक्षा और कौशल का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। देश के पास मानव संसाधन की कमी नहीं है किन्तु उसे हम अपनी पूंजी नहीं बना पा रहे है। शिक्षा में भयानक असामानता है जिसका नतीजा है आर्थिक गतिविधियों में आसमान भागीदारी। इसके लिए जहां सरकार की असफलता है तो जनमानस की मानसिकता भी काम जिम्मेवार नहीं है। ज़्यादातर युवाओं के लिए नौकरी का मतलब सिर्फ़ सरकारी नौकरी है। अगर कोई युवक 20-25 साल की उम्र से लेकर 30-35 साल की उम्र तक सिर्फ़ सरकारी नौकरी की तैयारी करता रहे और फिर कहे कि वो बेरोज़गार है, तो इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता सरकार भी नहीं। दूसरी तरफ एक बड़ी ग्रामीण आबादी अब भी कृषि पर आश्रित है क्योंकि उसके पास कोई दूसरा कौशल है नहीं। कृषि क्षेत्र जो देश की अर्थव्यवस्था का 80 प्रतिशत तक हुआ करता था उसकी भागीदारी 14 प्रतिशत के आसपास आ गई है। मगर उस पर 48 प्रतिशत आबादी का बोझ है। ऐसे में इस आबादी की आय में बढ़ोतरी उतनी तेजी से नहीं नजर आएगी जितनी जीडीपी के आंकड़ों में दिखती है। इसीलिए प्रतिव्यक्ति जीडीपी की रैंकिंग में भारत नीचे ही खड़ा नजर आएगा। भारत में शिक्षा की असमानता दूर करनी होगी। हालांकि भारत के युवाओं की तकनीकी क्षमता ने स्टार्टअप कल्चर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात ने वैश्विक बाजार में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी बना दिया है, मगर ये युवा अधिकतर उन सौभाग्यशाली वर्गों से आते हैं जिनकी प्राथमिक पढ़ाई बेहतर स्कूलों में हुई और जो उच्च शिक्षा के अच्छे संस्थानों में जा पाए। वहीं एक दूसरा भारत भी है जिसमें बच्चे बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा पाने से शुरू से ही वंचित रह जाते हैं और फिर पिछड़ते ही चले जाते हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए हाल ही में दिवंगत हो गये जनसंख्या विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र कोठारी ने मानव संसाधन विकास का एक बेहतरीन मॉडल एचडी प्लस का दिया था जिसकी तरफ झांकने की नीति निर्माताओं को कभी फुरसत नहीं मिली। समृद्धि में समान बंटवारा समान शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था से ही होगा, जिसे संविधान के निर्देश के मुताबिक राज्य को करना है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कबीर का मार्ग

राजेश्वर सिंह

कबीर मध्यकालीन भक्ति आंदोलन की निर्गुण धारा के प्रतिनिधि संत कवि हैं। वे पूजा-पाठ, अनुष्ठान व कर्मकांड का विरोध करते हैं, ब्रह्म की लीला का प्रसार जीवन और जगत में देखते हैं, शास्त्र ज्ञान पर प्रत्यक्ष अनुभव जन्य आत्मज्ञान व ब्रह्म ज्ञान को वरीयता देते हैं, आत्मज्ञानी व ब्रह्मज्ञानी सद्गुरु के द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन के महत्व का प्रतिपादन करते हैं, सांप्रदायिकता व जातिवाद पर प्रहार करते हैं तथा परम सुख व शांति की प्राप्ति के लिए अनासक्त कर्म, सदाचार, दया, संतोष, विनम्रता, समदर्शिता व सर्वोपरि प्रेम के पथ पर चलने का संदेश देते हैं।

कबीर कहते हैं कि परमात्मा ने ही अपने स्वरूप को संपूर्ण विश्व में प्रसारित किया है, उसी किरण से नवीन सृष्टि की धारा निःसृत होती है तथा उन्होंने ही समस्त रूपाकारों में स्वयं को व्याप्त कर रखा है। वस्तुत इस जगत में जितने जीव हैं, वह सब उन्हीं के जीवंत रूप हैं। उनका यह भी मानना है कि प्रभु जिस पर कृपा करते हैं, वही उनको प्राप्त कर पाता है और इसके उपरांत वह जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। कबीर ने इस परम पद की प्राप्ति के लिए कुछ पात्रताएं भी निर्धारित की हैं। वह कहते हैं कि सांसारिक कामकाज में अनासक्त, समस्त जीवों को आत्मवत स्वीकार करने वाला, अहंकार व दम्भ से मुक्त, सदाचार व दयालुता से युक्त, विनम्र, संतोषी व समदर्शी मनुष्य ही परमात्मा को प्राप्त कर पाते हैं और इन सद्गुणों का उदय भी बिना उनकी कृपा के संभव नहीं हो पाता।

परमात्मा की कृपा को प्राप्त करने के लिए कबीर कठोर साधना मार्ग पर प्रवृत्त होने के लिए कहते हैं। उनके अनुसार इस देह क्षेत्र में काम, क्रोध, मद और लोभ का सत्य, संतोष व शील के साथ महायुद्ध छिड़ा हुआ है। साधक नाम रूपी खड्ग से इन कुप्रवृत्तियों पर निरंतर प्रहार कर विजय प्राप्त करता है। इस विजय को कबीर ज्ञान के सूर्योदय के रूप में व्याख्यायित करते हुए कहते हैं कि जहां सूर्य प्रकाशित हो,वहां रात नहीं होती। इसी प्रकार जहां ज्ञान का उदय होता है वहां अज्ञान नष्ट हो जाता है। जहां कामनाएँ प्रबल हों, वहां विशुद्ध प्रेम नहीं होता, किंतु परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण जन्य प्रेम सांसारिक कामनाओं एवं वासनाओं का विनाश कर देता है।

कबीर शास्त्र ज्ञान पर अनुभवजन्य आत्मज्ञान व ब्रह्म ज्ञान को वरीयता देते हैं। उनके अनुसार संस्कृतज्ञ व शास्त्रज्ञ यदि कामना व तृष्णा के वशीभूत हैं तो फिर संस्कृत व शास्त्रों का अध्ययन व्यर्थ है। इसी प्रकार उन्होंने तीर्थ स्नान की व्यर्थता तथा धर्म ग्रंथों के मात्र शब्द भंडार होने का भी उल्लेख किया है। वह केवल अनुभवजन्य बातें करते हैं, क्योंकि वह अच्छी तरह जानते हैं कि अन्य सारी बातें खोखली और मिथ्या है।

यह सुनकर उन्हें हँसी आती है कि पानी में रहकर भी मछली प्यासी है। घर में पड़ी वस्तु को तो आदमी देख नहीं पाता और विषादग्रस्त होकर अनावश्यक वन वन भटकता रहता है। बात यह है कि मनुष्य चाहे काशी जाये अथवा मथुरा, अगर उसमें आत्मज्ञान नहीं है तो पूरा संसार उसके लिए मिथ्या है। उनके अनुसार परमात्मा किसी मंदिर मस्जिद, काबा या कैलाश में, किसी क्रिया, कर्म, योग या वैराग्य में नहीं है, वह सर्वत्र तथा सबके समीप समुपस्थित है, वह समस्त प्राणियों की एक-एक श्वास में है और अगर कोई सच्चे हृदय से संधान करता है तो वह उसे तुरंत प्राप्त हो जाता है। कबीर कहते हैं कि जब परमात्मा अपने आप को प्रकट करता है तो वह सब भी दिखाई देने लगता है जो हम अपनी आँखों से नहीं देख सकते जैसे बीज में वृक्ष दिखाई देता है और वृक्ष में छाया, आकाश में शून्य और शून्य में अनंत आकार, ब्रह्म में जीव और जीव में ब्रह्म। वह स्वयं ही बीज है, स्वयं ही वृक्ष है और स्वयं ही अंकुर, फूल, फल और छाया है।वही सूर्य है, किरण है और प्रकाश भी। कबीर इस प्रकार आत्मा में परमात्मा, परमात्मा में बिंब व बिंब में प्रतिबिंब को देखने में लीन हैं।

आत्मज्ञान की प्राप्ति के लिए कबीर सद्गुरू के महत्व का प्रतिपादन करते हैं। कबीर के अनुसार सद्गुरु संत वही है जो आंखों को न दिखाई देने वाले का दर्शन कराता है तथा जो बाहरी पूजा पाठ से मुक्त करके सहज समाधि सिखाता है। वह दरवाजे बंद करके नहीं बैठता, सांस रोकने का अभ्यास नहीं करता और संसार को त्यागने का उपदेश नहीं देता। सद्गुरु ऐसा मार्ग दिखाता है जिसमें मनुष्य कर्म करने के बाद भी निष्कर्म रहता है, उसे तन को त्रास नहीं देना पड़ता तथा सांसारिक कर्म के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना भी चलती रहती है।

कबीर संतों की जाति न पूछने के लिए भी कहते हैं। उनके अनुसार साधु 36 क़ौम में हो चुके हैं। नाई, धोबी, बलाई इत्यादि सभी जातियों में साधु हो चुके हैं। उन्ही में संत रैदास हुए हैं और उन्ही में स्वपच सुदर्शन भी। कबीर इसी पद में यहां तक कहते हैं कि बेकार में हिंदू और मुस्लिम रूपी दो धर्म बन गए हैं, जिनमें कोई अंतर नहीं। एक अन्य पद में कबीर कहते हैं कि अल्लाह और राम अलग-अलग कैसे हो सकते हैं? एक ही सोने से सब जेवर बनाए गए हैं तो उनमें दो भाव कैसे हो सकते हैं? कोई हिंदू कहलाता है, कोई मुसलमान पर हमारे शरीर एक ही मिट्टी से बने हैं।

समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव व विषमता पर कठोर प्रहार करते हुए कबीर कहते हैं कि जो जाति पूछ कर पानी पीते हैं, वह मूर्ख हैं। मृतकों के शव सड़कर मिट्टी हो जाते हैं और उसी मिट्टी के बर्तन में पानी रखा जाता है। इसी पानी में कछुए और घड़ियाल बच्चे देते हैं और उनका खून उसी पानी में मिल जाता है। नदी के पानी में सारी गंदगी बहकर आती है और जानवरों तथा इंसानों के शव भी इसमें सड़ते हैं लेकिन छुआछूत केवल जीवित मनुष्यों से माना जाता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि कबीर का मार्ग निष्काम कर्म, सदाचार, मानव मात्र के प्रति प्रेम, जीवदया, करुणा, परोपकार व सत्य निष्ठा का मार्ग है। वे कुरीति, पाखंड और अंधविश्वास पर प्रहार करते हैं तथा श्रमपूर्वक आजीविका अर्जन के पक्षधर हैं। वे भौतिक जीवन के कंटकाकीर्ण पथ पर आरूढ रहकर आध्यात्मिक साधना में प्रवृत्त होने का प्रतिपादन करते हैं,सद्गुरु से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए कहते हैं, विभिन्न मतों की तात्विक एकता का अनुभव करते हैं और मानव मात्र की समानता व समस्त प्राणियों के प्रति सद्व्यवहार का उपदेश देते हैं। कबीर का यह मार्ग वैसे तो सहज, सरल और सुगम प्रतीत होता है किंतु इस पर चलना कठिन काम है। अगर हम मानवता का कल्याण चाहते हैं तो इस मार्ग का अनुसरण करना ही होगा।

-राजेश्वर सिंह,
आईएएस (सेवानिवृत्त)

जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन का प्रेरणा स्त्रोत है मेवाड़, सदियों से हो रहे हैं जल संरक्षण की दिशा में प्रयास

विनय सोमपुरा

राजस्थान के दक्षिणांचल में स्थित मेवाड़ सदियों से न केवल राजस्थान अपितु पूरे विश्व के लिए जल संरक्षण और जल प्रबंधन का प्रेरणा स्त्रोत रहा है। मेवाड़ में रियासतकाल से ही जल संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास किए गए है जिसका लाभ आज तक आमजन को मिल रहा है। समय-समय पर विदेशी विषय विशेषज्ञों ने भी मेवाड़ के जल प्रबंधन का लोहा माना है। आशा की जाती है कि भजनलाल शर्मा सरकार का 5 जून से 20 जून तक संचालित किया जस रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान मेवाड़ की इस समृद्ध परम्परा को अधिक विस्तार देगा।

मेवाड़ प्राचीनकाल से ही वर्षा जल संचय और जल प्रबंधन की मिसाल रहा है। रियासत काल में शासकों ने दूरदर्शिता के साथ यहां के जलाशयों के निर्माण और नदियों को जोड़ने के भागीरथ प्रयास किए, इसकी बदौलत सदियों बाद भी उदयपुर में पेयजल संकट के हालात नहीं बनते हैं। संभवतया जल प्रबंधन के इससे अच्छे प्राचीन उदाहरण और कहीं नहीं मिलते हैं। यहां सदियों पहले से ही वर्षा जल को वृहद् स्तर पर सहेजने की शुरूआत हो चुकी थी। अरावली की पहाड़ियों से पश्चिम की ओर बहने वाले पानी को सहजने के लिए थोड़ी-थोड़ी दूर पर तालाब बनाए गए। मदार बड़ा और मदार छोटा तालाब भरने के बाद इनका पानी थूर की पाल से चिकलवास पिकअप वियर से मदार नहर होते हुए फतहसागर झील को भरता है। मदार नहर की क्षमता से ज्यादा पानी आने पर चिकलवास पिकअप वियर से आयड़ नदी होते हुए मदार का पानी उदयसागर पहुंचता है। पानी की आवक ज्यादा होने पर स्वरूप सागर लिंक नहर से फतहसागर भरा जाता है। बड़ी तालाब के छलकने पर इसका पानी भी फतहसागर में पहुंचता है। पिछोला और फतहसागर भरने के बाद पानी गुमानिया नाल से आयड़ नदी होते हुए उदयसागर पहुंचता है। यहां से पानी बेड़च नदी होते हुए वल्लभनगर बांध को भरता है। उसके बाद पानी चित्तौड़ जिले में स्थित बड़गांव बांध और घोसुंडा बांध को भरता है। इन बांधों की पूर्ति होने के बाद उदयपुर की झीलों से पानी बनास नदी होते हुए बीसलपुर बांध पहुंचता है।

इसके अलावा नदियों को जोड़ने की पहल भी 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सर्वप्रथम मेवाड़ में हुई। महाराणा फतहसिंह ने वर्ष 1890 में उदयपुर शहर से 6 किलोमीटर दूर चिकलवास गांव के समीप आहड़ नदी पर एक बांध बनवाया। वर्षा ऋतु में प्रवाहित अतिरिक्त जल को फतहसागर झील तक पहुंचाने के लिए चिकलवास नहर का निर्माण करवाया। इसके अतिरिक्त राणा राज सिंह- प्रथम ने तीर्थ स्थल उबेश्वर क्षेत्र से निकलने वाली उबेश्वर नदी को मोडकर मोरवानी नदी में मिला दिया। इस प्रकार यह जल जनासागर तथा फतह सागर में पहुंचा। उदयपुर शहर में गोवर्धन सागर, दूध तलाई, पिछोला झील, अमर कुण्ड, कुम्हारिया तालाब, रंगसागर, स्वरूप सागर तथा फतहसागर जलाशयों का निर्माण जल प्रबन्धन की दृष्टि से विश्वभर में श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

मेवाड़ के जल प्रबंधन कौशल को विदेशी जल वैज्ञानिकों के दल ने भी स्वीकारा है। वर्ष 2021-22 में उदयपुर आए वैज्ञानिकों के दल ने अपने अध्ययन में पाया कि मेवाड़ में सदियों पहले जिस दूरदर्शिता के साथ जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम हुआ, वह अद्भुत है। यहां हर साल 6328 एमसीएफटी वर्षा जल सहेजा जाता है, जो अपने आप में अनूठा उदाहरण है। मदार बड़ा तालाब की भराव क्षमता 84 एमसीएफटी, मदार छोटा की 30, बड़ी तालाब की 371, देवास प्रथम की 126, आकोदड़ा की 302, मादड़ी की 85, फतहसागर की 427, पिछोला की 483, गोवर्धन सागर की 9, उदयसागर की 1100, वल्लभनगर बांध की 1076, बड़गांव की 1112 तथा घोसुंडा की 1123 एमसीएफटी है। जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए जलशक्ति मंत्रालय एवं इलेट्स टेक्नोमीडिया की ओर से आयोजित नेशनल वाटर इनोवेशन समिट एंड अवाड्र्स कार्यक्रम में उदयपुर जिले को उत्कृष्ट वर्षा जल संग्रहण के लिए नेशनल वाटर इनोवेशन अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त उदयपुर मे सफल व परिणाम मूलक प्रयोग के बाद जल प्रबंधन मे जन भागीदारी बढ़ाने के माय वेल मोबाइल एप को जल शक्ति मंत्रालय ने देश भर के लिए जारी किया है।

प्राचीन काल से ही जल प्रबंधन पर किए गए सार्थक प्रयासों के चलते मेवाड़ पूरे देश में रोल मॉडल के रूप में उभरा है। इसी कारण केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने दूसरी ऑल इण्डिया राज्य जल मंत्रियों की वाटर कांफ्रेन्स का आयोजन 18 व 19 फरवरी को उदयपुर में किया । इसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेषों के जल मंत्रियों ने भाग लिया था। रियायतकाल से प्रेरणा पाकर उदयपुर आजादी के बाद भी जल संचय एवं जल प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है। आधुनिक दौर में देवास परियोजना, जवाई-जयसमंद प्रोजेक्ट तथा माही-अनास जैसी परियोजनाएं न केवल उदयपुर सहित समूचे वागड़-मेवाड़ और मारवाड़ की जल आवश्यकताओं को पूर्ण करेंगी अपितु आने वाली पीढियों को जल प्रबंधन की प्रेरणा देने के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

देवास परियोजनाः उदयपुर की जीवन रेखा बन कर उभरी देवास परियोजना रियासतकालीन जल संरक्षण और जल प्रबंधन सोच का आधुनिक संस्करण कही जा सकती है। उदयपुर शहर की तत्कालीन पेयजल आपूर्ति मांग सुनिश्चित करने हेतु वर्ष 1973-74 में देवास- प्रथम (गोराणा बाँध) का निर्माण किया गया, जिसकी कुल क्षमता 120 एमसीएफटी है। मुख्यंमत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उदयपुर को देवास परियोजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण की सौगात दी है। देवास तृतीय परियोजना के अन्तर्गत उदयपुर जिला के गोगुन्दा तहसील के नाथियाथाल गांव के निकट 703 एमसीएफटी क्षमता का देवास तृतीय बांध का निर्माण प्रस्तावित है। इससे 11.04 लम्बी सुरंग का निर्माण कर देवास द्वितीय (आकोदडा बांध) में जल अपवर्तन किया जायेगा। पूर्व निर्मित आकोदडा बांध एवं सुरंग से उदयपुर शहर की पिछोला झील में जल अपवर्तन होगा। देवास चतुर्थ परियोजना के अन्तर्गत गोगुन्दा तहसील के अम्बावा गांव के निकट 390 एमसीएफटी क्षमता का देवास चतुर्थ बांध का निर्माण कर इससे 4.3 किलोमीटर सुरंग का निर्माण कर देवास तृतीय बांध से जोड दिया जाएगा। द्वितीय (आकोदडा बाँध) एवं सुरंग के माध्यम से पिछोला झील में जल अपवर्तन किया जा सकेगा। देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की अनुमानित लागत 1690.55 करोड है। इससे 1000 एमसीएफटी वार्षिक जल अपतर्वन उदयपुर शहर की झीलों में किया जा सकेगा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ कर अकाल और बाढ़ की समस्या के स्थाई समाधान के सपनों को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। राज्य सरकार की बजट 2024-25 के तहत वागड़-मेवाड़ में नदी बेसिन से जुड़ी दो परियोजनाओं की डीपीआर बनाई जा रही है। प्रथम परियोजना के तहत प्रतापगढ़ जिले में जाखम नदी पर बने जाखम बांध से जयसमंद तथा जयसमंद से चित्तौड़गढ़ और राजसमंद जिलों के विभिन्न बांधों को जोड़ते हुए पानी पहुंचाना प्रस्तावित है। जाखम बांध पर 3 मीटर ऊंचे रेडियल गेट लगाने के प्रस्ताव है जिससे इस बांध पर 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त पानी का भराव किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जाखम नदी की सहायक नहदी सुकली एवं करमाई नदी पर बांध बनाकर क्रमशः 1000 एमसीएफटी एवं 750 एमसीएफटी पानी का भराव किया जा सकता है। जाखम बांध तथा सलूम्बर जिले में स्थित जयसमंद झील के जल स्तर में 60 मीटर का अंतर है। इससे कुल 2750 एमसीएफटी अतिरिक्त पानी जाखम बांध से करीब 106 किलोमीटर लंबी फीडर बनाकर सलूम्बर जिले की जयसमन्द झील में ठोविटी से पानी लाया जा सकेगा। जयसमंद झील से बड़गांव बांध (जिला उदयपुर) तक 50 कि.मी. लम्बे पाइपलाइन सिस्टम से 178.50 मीटर लिफ्ट के माध्यम से पानी पहुंचाया जाना प्रस्तावित है। बड़गांव बांध से 42 कि.मी. लम्बी फीडर बनाकर यह पानी रेलमगरा नाले (जिला राजसमंद) में डाला जाएगा। रेलमगरा नाले से पूर्व निर्मित फीडर सिस्टम द्वारा पानी धमाणा बांध, चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन बांध, भूपालसागर बांध, अरनिया बांध, जाशमा बांध, डिण्डोली, मातृकुण्डिया, सिंहपुर एवं बनाकिया बांध को भरा जा सकेगा। मातृकुण्डिया बांध से पूर्व में निर्मित मेजा फीडर के माध्यम से मेजा बांध तक जल अपवर्तन किया जाएगा। इसके अलावा नंदसमंद तक पानी पहुंचाने का भी प्रस्ताव है। दूसरी परियोजना के तहत तैयार की जा रही डीपीआर में माही, सोम और अनास नदियों का अधिशेष जल जवाई बांध तक पहुंचाना प्रस्तावित है। इसमें अनास नदी, माही नदी और सोम नदी के अधिशेष पानी को ट्रेप करके जयसमंद झील तक पहुंचाया जाएगा। वहां से अतिरिक्त पानी को सेई बांध में पहुंचाया जाएगा। वहां से सेई टनल के माध्यम से पानी जवाई बांध तक पहुंचाया जा सकेगा। सेई टनल की गहराई बढ़ाकर टनल क्षमता का विस्तार किया जा चुका है।

विनय सोमपुरा
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
उदयपुर

वाटर होल पद्धित से आज होगी वन्यजीव गणना

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में 11 जून को पूर्णिमा के दिन वाटर होल पद्धित से वन्यजीवों की गणना की जाएगी। ग्यारह से बारह जून को वनकर्मियों के साथ वन्यजीव प्रेमी मचान पर बैठेंगे और वाटर पॉइंट्स पर नजर रखकर वन्यजीवों की गणना करेंगे। ग्यारह जून को सुबह आठ बजे से वन्यजीव गणना शुरू होगी। बारह जून को गुरुवार सुबह आठ बजे तक वन्यजीवों की काउंटिंग की जाएगी। इसके बाद वन्यजीवों की गणना के आंकड़े वन मुख्यालय अरण्य भवन भेजे जाएंगे। वन्यजीव गणना पिछले महीने वैशाख पूर्णिमा के दिन होनी थी, लेकिन बारिश का मौसम होने के कारण स्थगित कर दी गई थी।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक शिखा मेहरा के मुताबिक वन्यजीव गणना ग्यारह जून को सुबह आठ बजे से बारह जून सुबह आठ बजे तक होगी। वन्यजीव गणना की वन मुख्यालय से मॉनिटरिंग की जाएगी। वाटर होल पद्धित से वन्यजीव गणना से वन्यजीवों की संख्या के वास्तविक आंकड़े मिल पाएंगे। वन्यजीव गणना से पहले अभ्यास प्रशिक्षण करवाया गया है। रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की गणना एनटीसीए प्रोटोकॉल से की जाती है। टाइगर रिजर्व के अलावा अन्य सेंचुरी क्षेत्र में वन्यजीवों को वाटर हॉल पद्धित से गिना जाता है। वन्यजीव गणना में भालू, पैंथर, सियागोश, लकड़बग्घे, भेड़िए, सियार, लोमड़ी, जंगली बिल्ली, लंगूर, जंगली सूअर, नीलगाय, सांभर, चीतल, काला हिरण, चिंकारा, नेवला, बिज्जू और से ही को गिना जाएगा। हालांकि प्रदेश में वन्यजीवों की सैकड़ों प्रजातियां हैं।

इस बार करीब 38 प्रजातियों की गणना की जा रही है। वन्यजीव गणना हमेशा पूर्णिमा को ही की जाती है। पूर्णिमा की चांदनी रात को वन्यजीवों की गणना आसानी से हो पाती है। मचान पर बैठे कर्मचारी आसानी से चांदनी रात के उजाले में वन्यजीवों की गिनती आसानी से कर पाते हैं। वन्यजीव पानी पीने के लिए वाटर पॉइंट पर जरूर आते हैं। 24 घंटे वन्यजीव गणना करने के बाद सभी जगहों के आंकड़े एकत्रित करके वन मुख्यालय अरण्य भवन भेजे जाएंगे। वन्यजीव गणना के बाद आंकड़ों की तुलना की जाएगी। वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है, तो यह वन विभाग के लिए बड़ी खुशी की बात होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 11 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, बुधवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 8:11 तक, साध्य योग दिन 2:04 तक, बव करण दिन 1:14 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:11 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग और कुमार योग रात्रि 8:11 से सूर्योदय तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 8:11 से आरम्भ होगा। आज से गुरू वृद्धत्व प्रातः 7:05 से आरम्भ होगा। आज ज्येष्ठी पूर्णिमा, सत्य व्रत, कबीर जयन्ती, ज्येष्ठ श्रुति पूर्णिमा पर्व (जैन) देव स्नान पूर्णिमा, है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:44 से 12:26 तक, चर 3:51 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:16

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

विकसित भारत का अमृत काल

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के

11 साल

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

धन्यवाद माननीय प्रधानमंत्री जी

मोदी सरकार के 11 साल @राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

आधारभूत अवसंरचना विकास

अमृतसर – जामनगर एवं
दिल्ली – मुंबई एक्सप्रेस वे से परिवहन में सुगमता

राम जल सेतु लिंक परियोजना
(संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) का कार्य प्रारंभ

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य राजमार्गों की
9,007 किलोमीटर सड़कों का निर्माण

शेखावाटी को और पानी उपलब्ध कराने
के लिए यमुना जल समझौता

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में
33,117 किलोमीटर सड़कों का निर्माण

अमृत योजना के तहत 1 लाख से अधिक
जनसंख्या वाले शहरों की 25 लाख जनसंख्या लाभान्वित

5,504 किलोमीटर रेल लाइनें विद्युतीकृत

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अधोरचना मिशन
में 2,619 करोड़ रुपए स्वीकृत

अजमेर से चंडीगढ़, जयपुर से उदयपुर
और जोधपुर से साबरमती वन्दे भारत ट्रेन

27,748 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित
एवं 14,384 मेगावाट बिजली उत्पादन

अमृत भारत स्टेशन योजना में
8 रेलवे स्टेशन पुनर्विकसित

भारतनेट के तहत 8,776
ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्शन

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

रिश्वत लेने के आरोप में चिड़ावा एईएन व सहायक प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

एसीबी की टीम देखकर भागा स. प्र. अधिकारी, खाली प्लॉट में फेंके पैसे, टीम ने पीछा कर दबोचा

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय अजमेर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय के एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एसीबी ने 30 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों को चिड़ावा थाने लाए गए, जहां पर एसीबी ने अपनी आगे की कार्रवाई की। एएसपी इस्माइल खान ने बताया दोनों के अन्य ठिकानों पर भी सर्च के लिए अलग से टीमें भेज दी है।

एसीबी एएसपी इस्माइल खान ने बताया कि सूरजगढ़ निवासी परिवादी विमलेश ने शिकायत की थी कि वह पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने का काम एक वेंडर के रूप में करता है। उसकी फाइलें एईएन आजाद सिंह के स्तर पर लंबित है, जिसके लिए आजाद सिंह और उनके कार्यालय का सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह 40 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान दोनों के बीच 30 हजार रूपए में सौदा तय हुआ। मंगलवार को

आरोपी आजाद सिंह, एईएन व नरेंद्र सिंह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, एईएन कार्यालय चिड़ावा।

एसीबी की टीम एएसपी इस्माइल खान के नेतृत्व में चिड़ावा में एईएन कार्यालय के बाहर कार्रवाई करते हुए एईएन आजाद सिंह तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह को 30 हजार रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी की कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम को देखकर अजमेर डिस्कॉम के चिड़ावा एईएन कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह मौके से भाग गया था। यही नहीं भागते भागते उसने 30 हजार रूपए रिश्वत की राशि भी एक खाली प्लॉट में फेंक दी थी, लेकिन एसीबी की टीम ने घेराबंदी करके ना केवल नरेंद्र सिंह को पकड़ लिया। वहीं प्लॉट से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली।

- स्थानीय अजमेर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय के एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एसीबी ने 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

जानकारी के अनुसार परिवादी सूरजगढ़ के उधमपुरा निवासी विमलेश पीएम सूर्यघर योजना के तहत वेंडर का काम करता था, जिसकी सात फाइलें एईएन कार्यालय चिड़ावा में अप्रुव के लिए रखी थी। जिसके एवज में सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह के जरिए एईएन आजाद सिंह 40 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहा था। यह शिकायत तीन-चार दिन पहले ही परिवादी ने एसीबी झुंझुनूं को दी। जिसके अगले ही दिन एसीबी ने शिकायत का सत्यापन भी करवा लिया। इस दौरान एईएन आजाद सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह, दोनों द्वारा पैसे की डिमांड करना सामने आया। सत्यापन के दौरान 30 हजार रूपए में सौदा तय हुआ। इसी बीच अगले ही दिन एसीबी ने एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को दबोचने का जाल भी बिछाया, लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाई।

चिड़ावा में कार्रवाई के बाद दोनों ही आरोपियों के मकानों में भी एसीबी ने सर्च किया। जानकारी के मुताबिक सीकर से सीआई सुभाष मील के नेतृत्व में टीम ने सुलताना गांव के भवानी चौक इलाके में स्थित सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह के मकान में करीब ढाई घंटे तक सर्च किया। इसके बाद टीम वापिस निकल गई। इसी तरह बुहाना इलाके के गादली गांव में एईएन आजाद सिंह के घर पर भी सर्च किया। गादली गांव में चूरू एसीबी के सीआई महेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने सर्च किया।

अधेड़ ने जहरीली वस्तु का सेवन कर आत्महत्या की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पड़ोसियों के झगड़े के बीच मामला थाने से पहुंचने के बाद पुलिस पर एक तरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए अधेड़ ने जहरीली वस्तु का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर गंगापुर डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह हॉस्पिटल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार गंगापुर निवासी कैलाश तिवाड़ी का अपने पड़ोसियों से पैसे के लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। दो दिन से दोनों पक्षों के बीच आपसी कहासुनी और गली-गलौच हो गई। पड़ोसी पक्ष ने गंगापुर थाने में रिपोर्ट दी, जबकि मृतक कैलाश के परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी मदन सोनी, पिंकी भाई, अर्जुन, राधेश्याम ने घर ने घुस कर उनके साथ झगड़ा किया और गाली-गलौच की थी, लेकिन पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रताड़ित किया जिसके कारण आहत होकर उन्होंने थाने जाने से पूर्व जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया।

हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्होंने एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर गंगापुर डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह हॉस्पिटल पहुंचे और मृतक के शव का पोस्टमार्टम करने की प्रक्रिया शुरू करवाई। फ़िलहाल शव सुपुर्द करने को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 15761328 दिनांक :- 06/06/2025

ई-बिड सूचना संख्या:- जोन एमएलए-लैड/01/25-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2526A0044

UBN No. :- JOD2526SLOB00107 to 111

राज.संवाद/सी/25/3931 अधिशाषी अभियंता (एमएलए-लैड)

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ 3/लेखा/25-26/1932-52 दिनांक :- 04/06/2025

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 12/2025-26

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा द्वारा क्र0सं0 1 से 17 एवं 24 पर अंकित कार्यों हेतु अनुभवी संवेदकों/एजेन्सियों/व्यक्तियों से तथा क्र0सं0 18 से 23 पर अंकित कार्यों हेतु के0डी0ए0, कोटा में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं राजस्थान सरकार के किसी भी राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागो के अन्तर्गत "एए" तथा "ए" क्लास (विद्युत कार्यों के लिए Exy-1 श्रेणी) संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 23 कार्यों (UBN No. : UIK2526WSOB00152 To UIK2526WSOB00175) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा षर्ते, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/3949 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/2183 दिनांक 09.06.2025

-: ई-निविदा 09/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 03 विकास कार्यो की कुल लागत 57.38 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

1. DLB2526WSOB07329
2. DLB2526WSOB07333
3. DLB2526WSOB07335

Bid Selling Last Date	25.06.2025 / 10.00 AM

राज.संवाद/सी/25/3952 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/66 - 68 Date : 04/06/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 17/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 641.49 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 06.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 16.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 06.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 16.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 17.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00110 To ITU2526WSOB00119

राज.संवाद/सी/25/3933 अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय, उदयपुर विकास प्राधिकरण

उम्मेद सागर बांध पथराव मामले में 108 डिटेन, 25 हिरासत में

मामले में 19 जनों पर एफआईआर दर्ज हुई, एक महिला को भी नामजद किया गया

जोधपुर, (कासं)। शहर के उम्मेद सागर बांध कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के समय सोमवार की सुबह हुई पत्थरबाजी में पुलिस ने देर रात तक 108 लोगों को डिटेन कर 25 लोगों को शांतिभंग में पकड़ा है। 19 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें एक महिला को भी नामजद किया गया है। गिरफ्तारियां और एफआईआर में और भी नामजद किए जा सकते है।

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी सुरेश पोटलिया की तरफ से थाने में 19 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। जिसमें ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों से मारपीट, वाहनों में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी को लेकर विभिन्न धाराएं लगाई गई है। पुलिस द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसारपुलिस द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट में उम्मेद सागर बांध के आस पास रहने वाले जब्बार, आमदीन, तौफिक, इमरान भाई, वकील, अमान अली, अरबाज, राकेश बेलदार, समीर, अशफाक, अयान तेली, मो. फरीद, आमदीन, मेहताब, मोबिना उर्फ मैडम, सिकंदर को नामजद किया गया है। पुलिस ने दर्ज प्रकरण में दो लोगों की गिरफ्तारी की है। जिन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार सोमवार को नगर निगम, पीएचईडी और पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर उम्मेद सागर बांध के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा था। तब दस बजे के आसपास कई लोगों ने विरोध जताया और कार्रवाई में लगे कार्मिकों पर हमला कर दिया, जिससे एक दर्जन से ज्यादा लोग चोटिल हो गए और मीडिया कर्मियों को भी नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा निगम की जेसीबी और पुलिस की कार के कांच तक फोड़ दिए गए थे। बाद में पुलिस ने असामाजिक तत्वों की धरपकड़ का अभियान चलाते हुए घरों में घुसकर देर रात तक 108 लोगों को डिटेन करते हुए 25 को शांतिभंग में हिरासत में लिया था। सभी को आज दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

राजीव गांधी नगर थानधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि अभी तक एक एफआईआर पुलिस की तरफ से दर्ज कराई गई है। अन्य एफआईआर मिलने पर उसे भी दर्ज किया जाएगा। पुलिस द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

11 जून से ऑनलाइन संशोधन किए जा सकेंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग) परीक्षा, 2024 में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया गया है। ऑनलाइन संशोधन 11 से 17 जून 2025 तक किए जा सकेंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन 20 अगस्त को किया जाना प्रस्तावित है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगी। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

- गांव निठार में जलदाय विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण पिछले एक महीने से पानी की नियमित सप्लाई नहीं की जा रही है

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भुसावर उपखंड के गांव निठार में भीषण गर्मी में जलदाय विभाग की ओर से पानी की समस्या का समाधान नहीं करने से गुस्साए ग्रामीण जनों ने मंगलवार को जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ गांव की टंकी के पास जाकर जमकर प्रदर्शन कर किया। गांव निठार निवासी ग्रामीण जनों ने बताया कि गांव निठार में गर्मी के दिनों में जलदाय विभाग के अधिकारियों की अनदेखी तथा लापरवाही के कारण पिछले एक महीने से पानी की नियमित सप्लाई जलदाय विभाग के कार्मिकों की ओर से नहीं की जा रही है। जिससे गांव निठार में भयंकर पानी की समस्या बनी हुई है।

गांव निठार के लोगों ने बताया कि गांव में पानी की बड़ी टंकी बनी हुई है जिससे गांव में जलदाय विभाग के ठेकेदार के व्यक्तियों की ओर से नियमित जल सप्लाई नहीं की जा रही है। गांव वालों ने बताया कि सरकारी आदेशानुसार गांव में प्रतिदिन नल चलाने के नियम है। उन्होंने बताया कि जलदाय विभाग के ठेकेदार ने जिन व्यक्तियों को जल सप्लाई के लिए लगा रखा है वे व्यक्ति सप्लाई करने आते नहीं है। जलदाय विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत का आरोपी लगाया है। मंगलवार को गांव चौखंडीपाडा, छीपी मोहल्ला एवं जोगी पाडा निठार के महिला पुरुषों द्वारा पानी की टंकी पर खडे होकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीण जनों की ओर से गांव में पानी की समस्या का समाधान के लिए कई बार जलदाय विभाग भुसावर के अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए। फिर भी जलदाय विभाग के अधिकारियों की ओर से गांव में पानी की समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/748-50 दिनांक : 09.06.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की ओर से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 10.06.2025 से दिनांक 20.06.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 23.06.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A2236

UBN:- DLB2526WSOB07251, DLB2526WSOB07253, DLB2526WSOB07255, DLB2526WSOB07258, DLB2526WSOB07261, DLB2526WSOB07263, DLB2526WSOB07265, DLB2526WSOB07268

राज.संवाद/सी/25/3960 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् राजसमन्द

क्रमांक / एफ. () जल ग्रहण / 2025-26/375 दिनांक-03/06/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-01/2025-26 से 03/2025-26

राजस्थान के माननीय राज्यपाल महोदय की ओर से पीएमकेएसवाई 2.0 मद से स्वीकृत विभिन्न कार्यो के सम्पादन करने हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग / जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्दीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निर्धारित प्रपत्र में ई टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट www.watershed.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अल्पकालीन ई निविदा 01/2025-26 से 03/2025-26 दिनांक 03.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से 13.06.2025 दोपहर 12 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

क्र.सं.	एनआईटी नम्बर	राशि (लाखों में)	UBN Number	NIB Code
1	01/2025-26	132.95 लाख	WSC2526 WSOB00366	WSC2526A0211
2	02/2025-26	136.99 लाख	WSC2526 WSOB00368	WSC2526A0212
3	03/2025-26	17.46 लाख	WSC2526 WSOB00387	WSC2526A0225

अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् राजसमन्द

DIPR/C/7469/2025

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 673 Date :- 06/06/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 12/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY 2.0 Block – Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 16/06/2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0263

UBN NO. :- WSC2526WSRC00446

Raj.Samwad/C/25/3973 Superintending Engineer and Project Manager

जोधपुर एलिवेटेड रोड के लिए 1243 करोड़ रुपये स्वीकृत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री का आभार जताया

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का जोधपुर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 1243 करोड़ 19 लाख रुपए स्वीकृत करने के लिए आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि 'उत्कृष्ट सड़क कनेक्टिविटी, विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में जोधपुर की 7.633 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं परिवहन सेवाओं के विस्तार के लिए केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

सीएम भजनलाल शर्मा।

प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर महामंदिर जंक्शन से शुरू होकर जोधपुर शहर में अखलिया चौराहा के पास समाप्त होगा। यह कॉरिडोर यात्रियों को 8 प्रमुख और 20 छोटे जंक्शनों से ऊपर जाने में सक्षम बनाएगा और भीड़भाड़ मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा, जिससे यात्रा का समय भी बचेगा। यातायात की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए इस एलिवेटेड रोड में दोनों तरफ कन्टिन्युअस स्लिप/सर्विस रोड और 13 प्रवेश/निकास रैंप होंगे। उल्लेखनीय है कि जोधपुर शहर राष्ट्रीय राजमार्ग-62, राष्ट्रीय राजमार्ग-25 और राष्ट्रीय राजमार्ग-125 से युक्त राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो मुख्य रूप से जोधपुर शहर के केंद्र से होकर गुजरते हैं। एलिवेटेड रोड के निर्माण से शहर में यातायात का दबाव कम होगा।

प्रवेश पत्र 14 को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राज. लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन 17 व 18 जून को किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा हेतु आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त की जा सकती है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

क्रमांक :- भण्डार/कृमला/2025/259 दिनांक :- 06/06/2025

खुली निविदा सूचना

इस महाविद्यालय में फार्म के समतलीकरण के लिए जेसीबी मशीन द्वारा कार्य हेतु दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 11.30 बजे तक निविदाएं आंमत्रित की जाती है एवं निविदाएं उसी दिन अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट कार्यालय में दोपहर बाद 12.00 बजे खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी प्रति निविदा इस महाविद्यालय से पॉच सौ रु. जमा कराके प्राप्त की जा सकती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं। इन निविदाओं का UBN No. SKN2526WSOB00090 है।

राज.संवाद/सी/25/3926 अधिष्ठाता

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.

क्रमांक/न.प.स.मा./2025-26/2352 दिनांकः- 06.06.2025

-:: निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-

नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा विभिन्न प्रकार के सामान सप्लाई कार्य/सर्विस प्रदाता एवं कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य अनुमानित लागत 40.00 लाख से 50.00 लाख रूपये है।, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in बेवसाइट पर देखी एवं download कर प्राप्त की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का UBN CODE - DLB2526SLOB07104, DLB2526SLOB07106, DLB2526SLOB07107, DLB2526SLOB07108 है।

NIB CODE- DLB2526A2178

राज.संवाद/सी/25/3915 आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः- विकास/उत्तर/द्वितीय/2025-26/953 दिनांकः- 06.06.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या ::
(UBN NO. DLB2526WSOB07317)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम, जोधपुर उत्तर — आयुक्त, नगर निगम, जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/3978

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corp.

Kaushal Bhawan, J8-B, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004

Notice Inviting for Corrigendum in RFP

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) have issued corrigendum in the following Bids, details are as follows:-

1. RSLDC/DDU GKY/MISC/2025-26/3087-93 date 04.06.2025
2. RSLDC/DDU GKY/RFP-BLC/2025-26/3116-22 date 05.06.2025
3. RSLDC/DDU GKY/Job Fair/2025-26/3080-86 date 04.06.2025
4. RSLDC/Supp. PMCA/RFP/2025-26 date 06.06.2025

Corrigendum document and other related information can be downloaded from the websites:

www.sppp.rajasthan.gov.in, www.livelihoods.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in

Interested Bidders / Agencies may apply through online https://eproc.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/25/3968 General Manager (Admin)

पीटीईटी व प्री बीएड/बीएससी परीक्षा 15 को

अजमेर, (कासं)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की ओर से अजमेर के 21 केंद्र सहित प्रदेश भर में प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट (पीटीईटी) एवं प्री बीएड/बीएससी परीक्षा 15 जून को आयोजित होगी। परीक्षा को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। अजमेर जिला समन्वयक (पीटीईटी) प्रो. डॉ. मनोज कुमार बहरवाल ने बताया कि परीक्षा अजमेर के 21 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें कुल 8150 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जिसमें से दो वर्षीय पीटीईटी में 16 परीक्षा केन्द्रों पर 5953 अभ्यर्थी एवं चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स प्री बीएड-बीएससी में 2197 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। प्रो. बहरवाल ने बताया कि परीक्षा का समय प्रातः 11 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

अजमेर : हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल मिला

दो बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर, (कासं)। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जेल प्रशासन द्वारा की गई आकस्मिक तलाशी के दौरान दो विचाराधीन बंदियों के पास से मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और दो सिम कार्ड बरामद हुए। जेल प्रशासन ने दोनों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइन पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाई सिक्योरिटी जेल के वार्ड नंबर 1, ब्लॉक 3 की सेल नंबर 5 की तलाशी के दौरान हरियाणा के रोहतक निवासी बंदी मोनू उर्फ सूखा के पास से स्मार्ट वॉच और सिम कार्ड मिला। इसी ब्लॉक के सेल नंबर 6 में बंद हिसार निवासी उधम सिंह के शौचालय की दीवार में छिपाकर रखा गया एक की-पैड मोबाइल और सिम बरामद हुआ। जेल स्टाफ ने जेल अधीक्षक आर अंतेश्वर को जानकारी दी। इसके बाद बरामद इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त कर लिया गया और सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचित किया गया। जेल अधीक्षक ने बताया कि दोनों विचाराधीन बंदी हत्या के आरोप में जेल में बंद हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/04-08 दिनांकः 09.06.2025

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/04-08

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-विड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है:-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No
1	04	One time plantation in various Govt. premises like Police thana, Schools, Hospitals, Residential Schemes and Plants distribution to public in H. zone-I and II during the mansoon season (July to October) 2025. UBN No. JDA2526WSOB00219)	192.22	10.06.25 / 19.06.25	23.06.25	064/2025-26
2	05	One time plantation in various Govt. premises like Police thana, Schools, Hospitals, Residential Schemes and Plants distribution to public in H. zone-III and IV during the mansoon season (July to October) 2025 UBN No. JDA2526WSOB00220)	129.16	10.06.25 / 19.06.25	23.06.25	065/2025-26
3	06	Maintenance of Woodland park in H. zone-II for 2 year maintenance. UBN No. JDA2526WSOB00221)	79.53	10.06.25 / 19.06.25	23.06.25	101/2025-26
4	07	Development and maintenance (2 year) of Horticulture and Beautification on Mahal Road from Akshay Patra to Mathurawala village. UBN No.JDA2526WSOB00222)	29.92	10.06.25 / 19.06.25	23.06.25	066/2025-26
5	08	Maintenance of Dhabas and Ekta Nagar median and greenbelt existing shrubs with 2 years maintenance. UBN No.JDA2526WSOB00 223)	28.06	10.06.25 / 19.06.25	23.06.25	110/2025-26

नोट:-

1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/3991 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग चढ़ी पुलिस के हत्थे

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गैंग के लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन पर वाहन लेकर उनकी फर्जी एनओसी के आधार पर आगे बेचते थे। जिस से बैंकों और फाइनेंस कंपनी को करोड़ों का नुकसान हुआ। इसके अलावा गैंग के सदस्य कई राज्यों में ठगी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं और इनके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

भांकरोटा थाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के विजय कुमार अग्रवाल (40)निवासी नादौती जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर,सजल अग्रवाल(25) निवासी श्रीमाधोपुर हाल प्रतापनगर जयपुर और इमरान खान (30) निवासी महू खास जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता। उनको अपने किराए के अपार्टमेंट में रखता । उस अपार्टमेंट के किरायानामा के आधार पर गिरोह के

- **आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता**

सदस्य के आधार कार्ड में पता आदि चेंज करवा कर बैंक अकाउंट खुलवा देता। उसे बैंक अकाउंट में दो-तीन महीने तक ट्रांजैक्शन कर अलग-अलग बैंकों से वाहन खरीदने के नाम पर लोन लिया जाता था। लोन की दो-तीन किस्त देने के बाद आरटीओ में फर्जी एनओसी देकर आरसी अपने ही गिरोह के दूसरे सदस्य के नाम ट्रांसफर करवा दी जाती थी। इसके बाद विजय कुमार वाहन को स्पिनी या अन्य कंपनियों में फर्जीवाड़ा कर बनाई गए दस्तावेजों के आधार पर बेच दी जाती थी।

आरोपित विजय कुमार बहुत ही शातिर किस्म का व्यक्ति है। इसके द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहनों पर लोन करवा कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन की एनओसी बनाकर वाहन बेचे गए हैं। जिनके अलग-अलग जिलों में मुकदमे दर्ज है।गौरतलब है कि दो जून को भांकरोटा थाने पर वैल्यू ड्राइव टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (स्पिनी) की ओर से मामला दर्ज कराया था कि स्पिनिंग कंपनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सेकंड हैंड कारों की बेचने और खरीदने का काम करती है। जिसके चलते जनवरी 2025 में एक व्यक्ति ने अपनी कार हुंडई वेन्यू 2024 मॉडल बेचने के लिए संपर्क किया था। उस व्यक्ति ने फर्जी तरीके से कार की नई आरसी कार्ड से कंपनी के साथ फर्जी और धोखाधड़ी कर कंपनी को कार बेची और इसी प्रकार से पूर्व में भी लगभग 8-10 कार बेच चुका हैं।

ट्रांसफर के 5 माह बाद आखिरकार जलदाय अभियंता दिनेश कूकना जेडीए से कार्यमुक्त

जयपुर । जलदाय विभाग के ट्रांसफर आदेश के करीब 5 माह बाद सोमवार को आखिरकार जेडीए प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर लगे अधिशाषी अभियंता दिनेश कुमार कूकना को उनके नए पदस्थापन के लिए रिलीव (कार्यमुक्त) कर ही दिया। इस संबंध में जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. प्रिया बलराम शर्मा ने आयुक्त आनंदी की मंजूरी के बाद आदेश जारी किए।

इन पिछले 5 माह में उन्होंने अपना तबादला रुकवाने का भी भरकस प्रयास किया, परंतु जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आगे उनकी एक नहीं चली।

राज्य सरकार के आदेशों की पालना नहीं करने वाले अफसरों पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी बेहद नाराज थे, उन्होंने प्रत्येक ऐसे कार्मिक पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। मजेदार बात यह है कि उन्होंने जेडीए से रिलीव होने के बाद

- **जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की नाराजगी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत के पत्र के 11 दिन बाद जेडीए प्रशासन ने रिलीव ऑर्डर जारी किए**

भी मंगलवार को अपने नए पद को नहीं संभाला।

27 मई को अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने खुद जयपुर विकास प्राधिकरण कमिश्नर आनंदी को पत्र लिखकर 15 जनवरी 2025 के ट्रांसफर आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए आग्रह करते हुए प्रतिनियुक्ति पर जेडीए में लगे दी दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से रिलीव करने के आदेश दिए थे। सावंत ने पत्र में लिखा था कि, जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना का तबादला 15 जनवरी को जलदाय विभाग ने अधिशाषी अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर के पद पर किया था, लेकिन कूकना ने आज तक वहां पदभार नहीं संभाला है। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए विभागीय आवश्यकताओं के मध्य नजर दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर नवीन पदस्थापन स्थान पर कार्य ग्रहण किए जाने हेतु निर्देशित करने का श्रम करावे। इस पत्र के 11 दिन बाद भी जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दिनेश कूकना को रिलीव कर दिया।हैरानी की बात यह है कि, जलदाय विभाग के मुख्य अभियंता संदीप शर्मा ने गत 29 अप्रैल को दिनेश कूकना को पत्र लिखकर तत्काल जेडीए से स्वयं रिलीव होकर अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) के पद का कार्यभार संभालने के आदेश दिए थे।

राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

जयपुर। राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया प्रधानमंत्री और केन्द्रीय विद्युत मंत्री का आभार**
- **राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी।**

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर-सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था। साथ ही, नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भी उन्होंने यह मांग प्रमुखता से उठाई थी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने देशभर में 30 गीगावाट आवर की बीईएसएस क्षमता के विकास के लिए वीजीएफ के तहत सहायता देने का निर्णय लिया है, जिसमें से 25 गीगावाट आवर की क्षमता 15 राज्यों को और 5 गीगावाट आवर की क्षमता एनटीपीसी को आवंटित की गई है।

विधायक सराफ ने डामर सड़क का शिलान्यास किया

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का शिलान्यास किया। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है विकास का कोई भी काम नहीं रुकेगा। और नगर निगम ग्रेटर ने सभी वार्डों में 50-50 लाख रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किए हैं।

स्थानीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली ने बताया की गंगवाल पार्क की सड़क काफी समय से टूटी हुई थी, स्थानीय लोगों की मांग पर सराफ के द्वारा नगर निगम ग्रेटर से डामर सड़क का नवीनीकरण करवाया जा रहा है एवं फुटपाथ पर दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जा रही है जिसका आज सांसद मंजू शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक सराफ के द्वारा शिलान्यास किया गया।

नटवर कुमावत ने बताया की स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सराफ ने गंगवाल पार्क में विधायक कोष से सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने

- **विधायक सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का किया शिलान्यास**

की घोषणा की, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की 32 कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं 11 कॉलोनी में कार्य पाइपलाइन में है उनमें भी जल्दी ही कार्य पूरा हो जाएगा। इस अवसर पर जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, विकास समिति अध्यक्ष अनंत शर्मा, नगर निगम उपायुक्त प्रियव्रत सिंह चारण, उपाध्यक्ष विवेकानंद गोस्वामी,मंत्री हर्ष भाटी, प्रवीण तंवर, गिर्राज सोढ़ानी, एमके माहेश्वरी, अजय बंसल,मनीषा गोधा, माला जैन, निधि बंसल,भास्कर पुरोहित एवं अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया

जयपुर। मालवीय नगर के करधनी शॉपिंग सेंटर पर महापौर सौम्या गुर्जर और विधायक कालीचरण सराफ ने संयुक्त रूप से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया।वार्ड नंबर 131 के पार्षद गोविंद सिंह छीपा ने बताया कि लगभग 30 साल पहले बने इस शॉपिंग सेंटर पर केवल पुरुष मूत्रालय ही था। जिससे खरीददारी पर आने- जाने वाली महिलाओं को सामान्य सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ता था। उन्होंने कहा कि महिला शौचालय बनाने की प्रेरणा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण सुनकर और टॉयलेट फिल्म देख कर मिली । उन्होंने अपने चुनाव में इसका वादा किया था , जो अब पूरा हुआ है । इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा सुमन शर्मा , समाजसेवी सिद्ध कुमार विजय वर्गीय , ओम शर्मा , नरेंद्र सिंह , रामकृपाल , सुनील, गंगाराम ,राजा गुटुरू , ओम सैनी , नीरजा सक्सेना,अर्जुन दास , किशोर , घनश्याम भार्गव आदि अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनसीडी रोगियों की जांच, डेटा इन्द्राज में गंभीरता बरतने के निर्देश

जयपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि निचले स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए निरामय राजस्थान के संकल्प को साकार करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जांच के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाए।

अतिरिक्त मिशन निदेशक मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित हैं। इन कार्यक्रमों को प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और विभिन्न स्वास्थ्य मानकों में प्रदेश की स्थिति और बेहतर हो। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम में मरीज का समय पर निदान और उपचार प्रारम्भ होना बेहद आवश्यक है।

कलयुग में नाम संकीर्तन सर्वोपरि

जयपुर। मंदिर श्री माधो बिहारी जी में महंत योगेश चंद्र स्वामी के सानिध्य मे आयोजित भागवत कथा में ललित संप्रदायाचार्य महंत संजय गोस्वामी जी ने कहा कि भागवत कथा सत्रह पुराणों का सार है यह कल्पवृक्ष अमृत फल है जबकि वेद जल है सत्रह पुराण उसकी शाखाएँ है , जो भागवत का श्रवण चिंतन करता है वह अमरता को प्राप्त करता है कथा से मनुष्य के अवगुण समाप्त हो जाते है तथा नाम संकीर्तन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है भगवान शीघ्र प्रसन्न होते है " कलयुग केवल नाम अधारा सुमर सुमर होय भव पारा " नाम संकीर्तन सारे पापों को सर्वथा नष्ट कर देता है और सभी प्रकार के दुखों से मुक्त कर देता हैं।

चरवाहों की समस्याओं को लेकर पशुपालकों से बैठक की

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में अन्य राज्यों में पशु चराने वाले पशुपालकों से बैठक की। इस बैठक में पशुपालकों ने अन्य राज्यों पर पशु चराने के लिए झुंड में पशुओं को ले जाने के दौरान वन विभाग व आमजन द्धारा परेशान किए जाने का मामला उठाया। इस दौरान पशुपालकों ने राजस्थान सीमा के कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, डूंगरपुर, चितौड़गढ, भीलवाड़ा व प्रतापगढ के वन क्षेत्रों में रात्रि पड़ाव के दौरान कई बार लूटपाट एवं खूनी संघर्ष की घटनाएं हो चुकी हैं। पशुपालकों ने मंत्री को अवगत कराया कि जब पशुपालक अपने पशुओं को मध्यप्रदेश और छतीसगढ राज्य में खुले में पशु चराने के लिए लेकर जाते हैं तो वहां किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों द्धारा मारपीट की जाती है। ऐसी स्थिति में जब पीड़ित पशुपालक संबंधित थाने या विभाग के उच्चाधिकारियों के पास आरोपियों की शिकायत लेकर जाते हैं तो उन्हें बुरी तरह से प्रताड़ित किया जाता है। इस पर पशुपालकों ने पड़ोसी राज्यों की सरकार के पशुपालकों को चारागाहों में निर्बाध रूप से पशु चराने की अनुमति देने व आरोपियों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया। इसी तरह मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र में निष्क्रमणीय भेड़ पालकों के पशुओं की चराई की अनुमति दिलवाने तथा मध्यप्रदेश और छतीसगढ सरकार की चरवाह नीति में स्थानीय पशुपालकों एवं निष्क्रमणीय पशुपालकों के बीच विभेद समाप्त करवाकर समान व्यवहार किए जाने के संबंधी नीति जारी करवाने का मामला उठाया गया।

चाकू से जानलेवा हमले करने वाले आरोपी को पकडा

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू से जानलेवा हमले करने वाले एक आरोपित को पकडा है और उसके पास से वारदात के दौरान प्रयुक्त किया गया एक चाकू भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई थानों में एक दर्जन से अधिक मारपीट,हत्या,हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 मई को पीडित मनोहर सिंह पर चाकू से जानलेवा हमले करने के मामले में फरार आरोपित जयेश शर्मा निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित आदतन अपराधी है। जो पूर्व में पुलिस थाना में भी कई वारदात कर चुका है। जिसके खिलाफ सोडाला थाने में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

काश्तकारों ने एक जमीन को दो-दो बार बेचा

जयपुर। सांगानेर एयरपोर्ट पर श्री जगदीश धाम योजना में कई साल पहले खरीदे भूखण्डों पर कब्जा लेने के लिए भूखण्डधारियों को दर -दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। इस स्कीम में पीडितों ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व को पत्र लिखकर भूखण्डों पर कब्जा दिलाने और नाजायज कब्जा करने वालो के विरूद्ध कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

पीडित तुलसीराम चौधरी और दौलतसिंह चौहान ने अन्य पीड़ितों के साथ मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर अपना दुखड़ा सुनाया। उनका कहना है कि अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड ने गांव टीलावाला जगतपुरा सांगानेर एयरपोर्ट रोड़ के पास 1997 में काश्तकार जगदीश पुत्र गोदू निवासी टीलावाला से 4.70 हैक्टेयर

- **भूखण्डधारी न्याय के लिए जगह जगह कर रहे हैं फरियाद**
- **आरोपियों के खिलाफ मुकदमा, दो साल में जांच तक नहीं**

जमीन जरिए इकरारनामा से खरीदी थी। इसका प्रतिफल भी दे दिया था। सोसायटी ने इस जमीन पर श्री जगदीश धाम योजना बसाई थी। इसमें बाकायदा उनसे पैसे लेकर पट्टे दिए थे और कब्जा भी सौंपा था। उसके बाद 2005 में काश्तकार जगदीश, घासी, भौंरीलाल, रामपाल पुत्र गोदू ने इस जमीन को मैसर्स प्राइम बिल्डहोम को बेचान कर दिया। इसके निदेशक पुनीत कर्नावट और गोविन्द अग्रवाल है। इन दोनों ने अपनी 16 बीघा जमीन को जेडीए से आवासीय योजना अप्रूव्ड करा कर यहां कालोनी के निवासियों को पट्टे देने शुरू कर दिए और मूल आवंटियों व भूखंडधारियों को बेदखल करना शुरू कर दिया है।

श्री जगदीश धाम योजना में जब पीडित जब भी अपने भूखण्डों का कब्जा लेने के लिए जाते है तो उनको वहां से भगा दिया जाता है। उन्हें कहा जाता है कि श्री जगदीश धाम योजना के नाम से कोई स्कीम नहीं है। यहाँ तो हमारी स्कीम है। पीडित जब अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति के मालिक देशराज बैरवा एवं गौरी शंकर गुप्ता से मिले तो उन्होंने 7 अप्रेल 2022 को प्रताप नगर थाना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम के निदेशक पुनीत कर्नावट, गोविन्द अग्रवाल और काश्तकारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवा दिया है।

जल संसाधन मंत्री आज सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत 11 जून, 2025 को दौसा, करौली और धौलपुर की विभिन्न जल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और भूमि पूजन करेंगे। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में तीनों जिलों के किसानों और आमजन को पर्याप्त जल उपब्लधता की सौगातें मिलेंगी।

रावत बुधवार सुबह 10 बजे मोरेल नदी पर ग्राम समेल लालसोट में निर्मित समेल एनिकट को लोकार्पित करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे पांचना बांध का पुर्नवास एवं सुधार कार्य सहित अन्य एनिकट निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यहीं से धौलपुर की 61 करोड़ रूपए लागत से तैयार 07 एनिकट/सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। यह परियोजनाएं जल संरक्षण की दिशा में स्थायी समाधान और स्थानीय पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

दौसा के लालसोट में समेल एनिकट के निर्माण में अब तक 19.82 करोड़ रूपए की लागत आई है। इससे समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित आसपास के गांवों व ढाणियों को लाभ होगा। जल संग्रहण से भू-जल रिचार्ज होगा, जिससे पेयजल व सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल सकेगा। पशुपालन और वन्यजीवों के लिए भी एनिकट उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें गेटेड प्रणाली का प्रावधान है।

रावत करौली में 28 करोड़ रूपए से अधिक के 4 कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इनमें, पांचना बांध के समग्र जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण कार्य का भूमि पूजन होगा। पांचना बांध के कार्यों में पिंचिंग, ड्रेनेज गेलेरी की रिपेयरिंग, बांध के एप्रोच रोड का निर्माण, डी.जी सेट सप्लाई, बांध के गेटों की मरम्मत, हाई मास्ट लाइट, पत्थर की चिनाई, स्पिलवे निर्माण सहित विभिन्न कार्य होंगे। इसमें 14 करोड़ रूपए से अधिक की लागत आएगी। इन कार्यों से बांध अधिक सुदृढ़ होगा और क्षमता बढ़ेगी।

करौली में तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत वाईजट में नाले पर नवीन एनिकट का निर्माण होगा। इसमें लगभग 6.06 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम वाईजट, धुरसी, ईन्तखेड़ा, विजयपुरा आदि गांवों के भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। सपोटरा तहसील की ग्राम पंचायत कालागुड़ा में 1.62 करोड़ रूपए की लागत से तिखूटी एनिकट का निर्माण होगा। तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत जटनगला के पास जग्गर नदी पर एनिकट बनेगा। इसमें 6.31 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम जटनगला, एकोराशी, बहादुरपुर, आलापाड़ा इत्यादि गांवों में भू-जल स्तर बढ़ेगा। पशु-पक्षियों को सुलभ पानी मिलेगा। तीनों ही जगहों पर ऑवर फ्लो एनिकट, अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम लेमिना कार्य, डाउनस्ट्रीम एप्रॉन कार्य, प्लम कंक्रीट, विंग वॉल, कट ऑफ वॉल सहित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

नेशनल प्लेयर से जुड़े मामले में पॉक्सो कोर्ट ने जांच अधिकारी को नसीहत दी

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग नेशनल प्लेयर को अभद्र इशारे करने से जुड़े मामले में जांच अधिकारी और ज्योति नगर थानाधिकारी को नसीहत दी है। वहीं अदालत ने कुछ बिंदुओं पर जांच नहीं करने पर अनुसंधान अधिकारी को चेतावनी दी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी की ओर से जांच में लापरवाही का मामला पहली बार अदालत के समक्ष आया है। ऐसे में चेतावनी दी जाती है कि यदि भविष्य में उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं आया तो यह माना जाएगा कि वे जानबूझकर पीड़ित पक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी को याद रखना चाहिए कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 व धारा 199 के तहत आता है। अदालत ने जांच अधिकारी को कहा कि वे दिए गए निर्देशों की पालना करेंगे, ताकि अदालत को यह मानना पडे कि मामले में की गई लापरवाही सद्भाविक चूक है न की जानबूझकर की गई चूक। वहीं अदालत ने प्रकरण के आरोपी बहादुर को 19 जून तक जेल भेज दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ित और फरियादी दोनों की आरोपी को नहीं जानते थे तो उसे बापर्दा गिरफ्तार कर जेल में पहचान परेड कराई जाती। जिस व्यक्ति ने पीडिता के पिता को आरोपी का नाम बताया, उसके बयान दर्ज किए जाते।

इसके अलावा घटना से जुडे सीसीटीवी फुटेज, डीवीआर जब्त करने सहित आरोपी के कंट्रोल फोटो लेने के लिए भी कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक की एफआईआर के अनुसार जिन पुलिसकर्मियों ने घटना देखी, उनके बयान भी दर्ज नहीं किए गए। अदालत ने कहा कि सुपरविजन अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त ने भी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार नहीं करने के तथ्य पर विचार नहीं किया।

वहीं उनके सुपरवाइजरी नोट में एक दुकान मालिक के बयान लेने के निर्देश पर ही जांच अधिकारी ने विचार नहीं किया। गौरतलब है कि गत 3 जून को पीडिता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी एक दिन पहले खेलने के लिए अकादमी जा रही थी।

रास्ते में एक दुकान पर मौजूद आरोपी ने उससे अभद्रता व्यवहार और इशारे किए। पूर्व में भी कई बार आरोपी ने उसकी बेटी को प्रताड़ित किया है। जिससे बेटी के मन में भय व्याप्त हो गया है। ऐसे में भविष्य में बडी घटना ना हो, इसका ध्यान रखा जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा आधारित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर । महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी के मुख्य आतिथ्य में एवं आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को इंदिरा गाँधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) की ओर से प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

- **ग्रोथ मॉनिटरिंग के लिए बहुत जरुरी है सही डेटा एंट्री :- शासन सचिव महिला एवं बाल विकास**

दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया जाना चाहिए।

आईसीडीएस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बेसलाइन डेटा की सही होना अत्यंत आवश्यक है। इसके आधार पर ही बेहतर योजनाओं का निर्माण होता है तथा ग्राउंड पर वास्तविक रूप में समस्याओं का समाधान भी संभव हो पाता है।

उन्होंने कहा कि जब तक डेटा एंट्री उचित रूप से वास्तविक आधार पर नहीं की गई हो तब तक ग्रोथ मॉनिटरिंग सही रूप में नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सही डेटा एंट्री नितांत रूप से आवश्यक है।

विभाग में किसी भी योजना में 10 दिन से ज्यादा पुराना कोई भी प्रकरण लंबित न रहें, इस प्रतिबद्धता से कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारे मानदेय कर्मियों के मानदेय का भुगतान नियमित रूप से हो यह अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्मिक को सेवा के प्रति अपडेट करते हैं।

इस अवसर पर निदेशक ओ पी बुनकर ने कहा कि कोई भी प्रशिक्षण यदि दो तरफा होता है तो ही वह उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों को मॉनिटरिंग में सुधार करना चाहिए।

पोषण ट्रेकर पोर्टल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें आंगनबाडी आने को उत्सुक हो और पूरी संख्या में आंगनबाडी आये तब जाकर इस प्रकार के प्रशिक्षण अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल होंगे।

सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने मंगलवार को कार्यालय सहायक अभियंता एवीवीएनएल ओएंडएम चिड़ावा जिला झुंझुनू के सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी परिवादी से उसकी फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनूं को परिवादी ने शिकायत दी कि वह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कार्य करता है। एवीवीएनएल सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं ओएंडएम चिड़ावा झुंझुनूं के सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह की ओर से परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए रिश्वत मांग की जा रही है। इस दौरान रिश्वत मांग सत्यापन दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने के लिए तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग करना पाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह से रिश्वत के तीस हजार रुपए की बरामदगी की गई। एसीबी झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान के नेतृत्व में मंगलवार को ट्रैप की कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह को तीस हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

साइबर ठगी करने वाले अन्तर्राज्जीय गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। साइबर थाना पुलिस की ओर से चलाएं जा रहे संदिग्ध बैंक खातों के विरूद्व कार्रवाई करने के विशेष अभियान के तहत साइबर ठगी करने वाले अन्तर्राज्यीय संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया। साइबर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पकड़े गये आरोपी वल्लभ गार्डन निवासा राहुल सिंह, तिलक नगर निवासी मनमोहन यादव और रामपुरा बस्ती निवासी नाहिद अली है। गिरफ्तार आरोपी अपने साइबर गिरोह के सदस्यों द्वारा अलग-अलग जिलों में बैठे साइबर फ्रॉड से राशि काम में लेते हैं। अपने व अन्य लोगों से प्रत्येक सेविंग अकाउंट 15000 रूपये व प्रत्येक करंट अकाउंट 30000 भुगतान कर अनेक बैंक खाते खरीद करते हैं। साइबर ठगी की रकम व ऑनलाइन गेमिंग ब्रांच, क्रिकेट बुकी के लगभग पांच करोड़ रूपये अवैध राशि का लेनदेन किया और राशि को अन्य खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर कर लेते हैं। पूछताछ के दौरान उन्होंने ये बात कबूल की है कि उन्होंने पांच करोड़ रूपये से ज्यादा की राशि अलग- अलग बैंकों में डालकर निकाली है।

बताया जा रहा है कि आरोपियों के खिलाफ प्रदेश व विभिन्न राज्यों में अनेक शिकायतें दर्ज है। राहुल सिंह के विभिन्न बैंक खातों पर देश के विभिन्न राज्यों से 53 शिकायतें दर्ज है। जबकि मनमोहन के एक खाते पर 14, नाहिद के 5 खातों पर 17 शिकायतें दर्ज है।

बीकानेर में साइबर पुलिस थाना ने साइबर ठगी करने वाले अन्तर्राज्जीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया।

■ साइबर ठगी की रकम व ऑनलाइन गेमिंग ब्रांच, क्रिकेट बुकी के लगभग पांच करोड़ रूपये अवैध राशि का लेनदेन किया और राशि को अन्य खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर किया

पूर्व मंत्री की बोलेरो-कैम्पर चोरी, 6 घंटे में ढूंढी : हनुमानगढ़ के भाजपा नेता और पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप की बोलेरो कैम्पर को पुलिस ने मामला दर्ज होने के 6 घंटे बाद बरामद कर लिया। पूर्व मंत्री की बोलेरो कैम्पर रविवार रात को उनके घर के बाहर खड़ी थी। चोर अनूपगढ़ से बाइक चोरी कर पूर्व मंत्री के घर पर पहुंचा और बाइक को मौके पर छोड़कर बोलेरो कैम्पर लेकर फरार हो गया।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि हनुमानगढ़ जंक्शन निवासी हरीश सहू पुत्र डॉ. रामप्रताप सहू ने सुबह करीब 7 बजे थाने में सूचना दी कि रात 11:40 से 11:45 बजे के बीच उनके घर के सामने खड़ी बोलेरो कैम्पर को चोर चोरी कर ले गया। सूचना पर थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनेश तंवर और वृत्ताधिकारी मीनाक्षी के सुपरविजन में थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक गजेन्द्र शर्मा और एएसआई जयसिंह सहित दो विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमें विभिन्न दिशाओं में रवाना की गई। इसके अलावा लोकल स्तर पर भी टीम इस दौरान काम कर रही थी।

एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने हनुमानगढ़ जंक्शन, डबली राठान, पीलीबंगा और सूरतगढ़ में मानवीय आसूचना, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी संसाधनों की मदद से जांच की। घटनास्थल पर छोड़ी गई बाइक की जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह बाइक भी अनूपगढ़ से चोरी की गई थी। एसपी ने बताया कि बोलेरो कैम्पर को ढूंढने के लिए पड़ौसी जिले से भी संपर्क किया।

डीएसटी-02 श्रीगंगानगर की टीम के समन्वय से हिन्दुमलकोट के पास फतूही गांव में घेराबंदी की। पुलिस को देख आरोपी रवि नायक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बोलेरो कैम्पर को बरामद कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। एसपी ने बताया कि मामले में नामजद किया गया रवि नायक एक आदतन वाहन चोर है। उसने अनूपगढ़ से चोरी की गई बाइक से हनुमानगढ़ आकर बोलेरो कैम्पर चोरी की। उसके खिलाफ अनूपगढ़, नई मंडी घड़साना सहित विभिन्न थानों में करीब 6 मामले दर्ज हैं। संबंधित थानों को सूचना देकर उसका अपराधिक रिकॉर्ड मंगवाया जा रहा है। जंक्शन सीआई लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपी चोर बड़े ही अजीब तरीके का है। उसने जंक्शन बस स्टैंड से थोड़ी दूरी पर एक व्यक्ति को हाथ से रूकने का इशारा करने पर लिफ्ट देकर उसे 8 नंबर चुंगी पर छोड़ा। उसके बाद श्रीगंगानगर बॉर्डर इलाके के गांव कालिया के पास भी किसी महिला को उसने लिफ्ट दी थी।

शतरंज में बीकानेर के खिलाड़ी चमके

बीकानेर, (कासं)। रायसिंह नगर में आयोजित क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता में बीकानेर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में कई शीर्ष स्थान हासिल किए।

रविवार को आयोजित इस टूर्नामेंट में राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया लेकिन बीकानेर के खिलाड़ियों की सूझबूझ और रणनीति ने सभी को प्रभावित किया। वीके चैस एकेडमी, रायसिंहनगर की ओर से आयोजित इस शतरंज टूर्नामेंट में चार वर्गों ओपन, अंडर-19, अंडर-13 और अंडर-9 में मुकाबले हुए।

प्रतियोगिता में कुल 70 से अधिक खिलाड़ियों ने शिरकत की। जिनमें राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के प्रतिभागी शामिल थे। ओपन वर्ग में रायसिंहनगर के विशेष गोदारा ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं हरियाणा के हिमांशु दूसरे और बीकानेर के जैनम कोठारी तीसरे स्थान पर रहे।

बीकानेर के आकाश और निशांत व्यास ने पांचवां और छठा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 कैटेगरी में श्रीगंगानगर के समर्थ पेड़ीवाल ने पहला स्थान प्राप्त किया। अबोहर (पंजाब) के सलिंद्र कुमार दूसरे और बीकानेर के नितिन जोशी तीसरे स्थान पर रहे। बीकानेर के जयदीप पुरोहित ने भी पांचवां स्थान प्राप्त किया।

अंडर-13 वर्ग में बीकानेर के एकलव्य गोस्वामी ने विजेता बनकर जिले को गर्वित किया। रिद्धिमा बिश्नोई (रायसिंहनगर) ने दूसरा और हर्षवीर धायल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-9 वर्ग में जयपुर के अर्नव चलाना ने पहला स्थान पाया।

सार-समाचार

रोडवेज कर्मचारियों का धरना जारी

बीकानेर में रोडवेज बस स्टैण्ड पर प्रशासन की हठधर्मिता के विरोध में रोडवेज कर्मचारी धरने पर बैठे।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान रोडवेज एम्पलाइज यूनियन एटक, बीकानेर शाखा और एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन का आज सातवां दिन है। मांगों में ड्यूटी के घंटे, कार्यालयीन कार्य, गुटबाजी और प्रताड़ना, निरस्तीकरण के पैसे, और देय लाभ तथा वर्तमान भुगतान का ऑडिट शामिल है। इसके अलावा, यूनियन ने 21 मई को भी एक ज्ञापन प्रस्तुत किया था, जिसमें समस्याओं का समाधान नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गई थी। प्रबंधन द्वारा हमारी मांगों को नहीं माने जाने के कारण, यूनियन ने निर्णय लिया है कि अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। यह धरना प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक प्रबंधन हमारी मांगों को स्वीकार नहीं करता। आज धरने का सातवां दिन है, जो निरंतर जारी है। यूनियन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के लिए संघर्ष करने का दृढ़ निर्णय लिया है। इस अवसर पर किशन सिंह चौहान द्वारा संबोधन करते हुए बताया गया कि निगम प्रशासन की लापरवाही और गजे सिंह यादव परिचालक की मौत की निष्पक्ष जांच करवाने और उनकी जांच नहीं करवाने तक संघर्ष जारी रखने का आव्हान किया गया। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष श्याम दीन भुट्टो, हनुमंत मेहरा एसोसिएशन अध्यक्ष, रोशन अली शाखा अध्यक्ष, डूंगरदान पूर्व अध्यक्ष, धर्मपाल प्रथम, रामेश्वर खदाव, मोहनराम, गुलाब सिंह पूर्व अध्यक्ष, याकूब खान, किशन सिंह, श्रवण सिंह, लालचंद सिहाग, हनुमान राम पूनिया, अब्दुल रहमान कोहरी, एटक मुस्ताक अली, सुभाष बिश्नोई, रामनिवास खिलेरी, देवीलाल नाई, शार्दुल कुमार चारण आदि सदस्य और पदाधिकारी मौजूद थे।

विश्व योग दिवस की तैयारी बैठक

विश्व योग दिवस जिला स्तरीय योग कार्यक्रम लेकर हुई बैठक को एडीएम (सिटी) रमेश देव ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। विश्व योग दिवस 21 जून को जिला स्तरीय योग कार्यक्रम डॉ करणी सिंह स्टेडियम में सुबह 7 से 08 बजे तक होगा। जहां प्रोटोकॉल के हिसाब से प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा आमजन को योग करवाया जायेगा। विश्व योग दिवस पर जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एडीएम सिटी रमेश देव ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में देव ने सभी विभागों के विभागाध्यक्षों और जिला स्तर पर कार्य करने वाले सभी कार्मिकों को जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में आवश्यक रूप से हिस्सा लेने के निर्देश दिए। वहीं ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों और अन्य कार्मिकों को हिस्सा लेने के निर्देश दिए। देव ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में करीब 4 हजार लोगों के योग करने की व्यवस्था की जायेगी। बारिश होने की स्थिति में इंडोर स्टेडियम में योग करवाया जायेगा। लिहाजा नगर निगम और आयुर्वेद विभाग आपसी समन्वय से योग कार्यक्रम को लेकर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ प्रभुदयाल जाट ने बताया कि 21 जून को विश्व योग दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम डॉ करणी सिंह स्टेडियम में सुबह 7 से 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। जिले भर में योग कार्यक्रम को लेकर योग शिक्षकों को लगाने समेत विभिन्न तैयारियां अंतिम चरण में है। बैठक में एडीएम प्रशासन रामावतार कुमावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

निशा व सलोनी को 91 प्रतिशत अंक

बीकानेर, (कासं)। बेसिक पीजी महाविद्यालय ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करते हुए गौरवशाली उपलब्धि दर्ज की है। हाल ही में घोषित एम.एससी. (प्राणिशास्त्र) एवं एम.एससी. (रसायन शास्त्र) तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में महाविद्यालय का शत-प्रतिशत सफलता का रिकॉर्ड रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश पुरोहित ने बताया कि एम.एससी. (प्राणिशास्त्र) एवं एम.एससी. (रसायन शास्त्र) में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण परिणाम प्राप्त किए हैं। इनमें से दो छात्राएं निशा और सलोनी गहलोत ने संयुक्त रूप से सर्वाधिक 90.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राम व्यास ने कहा कि बेसिक पीजी महाविद्यालय ने वर्षों से गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्याधारित शिक्षा प्रदान की है। इस अवसर पर महाविद्यालय के व्याख्यातागण डॉ. मुकेश ओझा, डॉ. रोशनी शर्मा, वासुदेव पंवार, माधुरी पुरोहित, प्रभा बिस्सा, डॉ. नमामीशंकर आचार्य, कृष्णा व्यास, महिमा किराडू, हितेश पुरोहित, शिवशंकर उपपाध्याय, समीक्षा हर्ष, चेताली पुरोहित, बिशनाराम, पंकज गहलोत, राजीव पुरोहित आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

बीज की दुकानों से नमूने लिए

श्रीगंगानगर, (कासं)। खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और कीटनाशक मिलें, इसके लिए कृषि विभाग के द्वारा 15 मई से 15 जुलाई तक गुणवत्ता जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आज श्रीगंगानगर में अमर एग्रो केमिकल्स की दुकान पर विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। सहायक निदेशक कृषि सुरजीत कुमार ने बताया कि दुकान से बीज के दो नमूने लिए गए। इन्हें जांच के लिए राजकीय बीज परीक्षण लैब भेजा जायेगा। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर न तो विक्रय लाइसेंस प्रदर्शित मिला, न ही मूल्य सूची उपलब्ध थी। इस पर विभाग ने विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। तय समय में जवाब नहीं देने पर कार्रवाई की जायेगी। सुरजीत कुमार ने कहा कि यदि जांच में नमूने अमानक पाए गए तो प्रतिष्ठान पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। निरीक्षण के समय सहायक कृषि अधिकारी रिछपाल सिंह भी मौजूद रहे। सहायक कृषि अधिकारी रिछपाल सिंह ने बताया कि कृषि विभाग की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य बाजार में मिलावटी व घटिया स्तर के कृषि आदानों की बिक्री पर रोक लगाना है।

रानी बाजार आर.ओ.बी. के दोनों साइड खोदी सड़क, घंटों लगा जाम

■ अमृत-2 के तहत चल रहा सीवरेज का काम अब तकलीफ देने लगा

बीकानेर, (कासं)। अमृत-2 के तहत चल रहा सीवरेज का काम अब तकलीफ देने लगा है। सबसे बड़ी परेशानी अम्बेडकर सर्किल और उसके आसपास है। ये वो केन्द्र है जहां से कई रास्ते और कॉलोनियों के लिए लोग जाते हैं। यहां 6 महीने से काम चल रहा है। रानी बाजार आरओबी से उतरते ही मेडिकल कॉलेज चौराहा और अम्बेडकर सर्किल दोनों रास्तों पर हैवी जाम लग गया।

हैरानी की बात ये कि फर्म ने न तो ट्रैफिक पुलिस को सूचित किया कि यहां कोई मैनेजमेंट करे और न ही भारी वाहनों के आवागमन पर कोई निर्णय हुआ। नतीजा 46 डिग्री तापमान वाली दोपहर में लोगों को घंटों सड़क पर खड़े रहना पड़ा। दरअसल अमृत-2 के कामों में पहले इसी तरह की परेशानी कीर्ति स्तंभ चौराहे से जूनागढ़ और पब्लिक पार्क के बीच थी।

पूरे एक साल बाद यहां की कुछ तकलीफ कम जरूर हुई पर पेचवर्क अभी भी यहां का पूरा नहीं हुआ। जूनागढ़ के सामने और फोर्ट डिस्पेंसरी के सामने पेचवर्क का काम बाकी है। अम्बेडकर सर्किल से पवनपुरी के बीच सीवरेज का काम चल रहा है। 6 महीने पहले अम्बेडकर सर्किल से रानी बाजार आरओबी तक एक साइड पर ट्रैफिक चल रहा है।

अब कुछ दिन से आरओबी से मेडिकल कॉलेज चौराहे की ओर भी गड्ढे खोद दिए गए। इससे इस पूरी रोड पर एक तरफ की रोड पर दोनों ओर का ट्रैफिक चल रहा है। ऊपर से नोखा से आने वाली रोडवेज बसों से लेकर नगर निगम और रीको के भारी वाहन इसी राह से गुजरते हैं। सोमवार को रीको के ही भारी वाहन के कारण 3 घंटे जाम लगा रहा। हैरानी की बात ये कि यहां एक पुलिस का कांस्टेबल तक नहीं पहुंचा जो जाम खुलवाने की कोशिश करे। क्योंकि न तो ठेकेदार ने पुलिस को कोई सूचना दी और ट्रैफिक पुलिस को तो चिंता ही नहीं है।

मानसून आने से पहले जिस फर्म को काम समेटना चाहिए उसने मानसून से पहले इस इलाके में काम और बढ़ा दिया। अब डीआरएम आफिस से अम्बेडकर सर्किल की ओर आ रही सड़क पर भी खुदाई काम शुरू कर दिया। अम्बेडकर सर्किल से रानी बाजार पुलिया तक वाली रोड नहीं बनी। मेडिकल कॉलेज चौराहे तक ऐसे ही गडढे हैं। वे बंद नहीं हो रहे। नगर निगम के अधिकारी तटस्थ बने हुए हैं।

राज्यवर्धन राठौड़ आज बीकानेर दौरे पर

बीकानेर,(कासं)। विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन गरीब कल्याण के मोदी सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य युवा मामले एवं खेल विभाग में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौर आज बीकानेर दौरे पर रहेंगे।

जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि राज्यवर्धन राठौड़ सुबह 9: 30 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। 11 बजे भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता करेंगे। 12 बजे रविन्द्र रंगमंच में पूर्व सैनिकों के साथ संवाद, 2 बजे जिला उद्योग संघ में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, संयोजक महावीर रांका, विजय आचार्य, मोहन सुराणा, दीपक पारीक ने व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी।

गर्मी तेज होने से उल्टी-दस्त के मरीज भी बढ़े

■ पीबीएम हॉस्पिटल में मेडिसिन ओपीडी 900 तक पहुंची

बीकानेर, (कासं)। गर्मी तेज होने के साथ ही पीबीएम हॉस्पिटल में उल्टी-दस्त के रोगी भी बढ़ गए हैं। मेडिसिन विभाग के ओपीडी में 909 मरीज पहुंचे। इसके अलावा 20 से अधिक मरीज अलग-अलग वार्डों में भर्ती हैं।

बीकानेर में आग उगलती गर्मी के कारण पारा 46 डिग्री के करीब चल रहा है। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को परेशान कर दिया। बढ़ती गर्मी के चलते पीबीएम हॉस्पिटल के मेडिसिन विभाग के उल्टी और दस्त के मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है।

आउटडोर में 900 से अधिक मरीज पहुंचे, जिनमें से तीन सौ से अधिक उल्टी और दस्त से पीड़ित बताए जा रहे हैं। गंभीर हालत वाले आठ-दस मरीजों को भर्ती किया गया है। ज्यादातर को दवाएं लिखी गई हैं। मेडिसिन विभाग की यूनिट प्रथम के हैड डॉ. वी.बी. सिंह ने बताया कि इन दिनों लू के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। गर्मी में धूप से बचाव और खान-पान का ध्यान रखना ज्यादा जरूरी है। इसी लापरवाही के कारण ज्यादातर को उल्टी-दस्त हो रहे हैं। सभी मरीज किसी एक क्षेत्र से ना होकर शहर के अलग-अलग हिस्सों से आ रहे हैं। इसलिए उसे दूषित पानी की समस्या नहीं माना जा सकता। इसका मुख्य कारण बढ़ती गर्मी ही है। उन्होंने बताया कि तापघात का कोई मरीज अब तक रिपोर्ट नहीं हुआ है। पिछले कुछ दिनों से कोरोना से राहत है। दरअसल रुटीन में मरीजों के कोरोना की जांच नहीं की जा रही है। केवल वार्डों में भर्ती गंभीर बीमारी वाले बुजुर्ग मरीजों के ही कोरोना की जांच कराई जा रही है।

सैम्पल मिस ब्रांड पर 7.75 लाख का जुर्माना

बीकानेर, (कासं)। खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाली फर्मों पर जिला प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई की है। दूध, दही, घी, मावा और रिफाइंड कोकोनट ऑयल के सैंपल निम्न मानक सब स्टैंडर्ड पाए जाने और मूंग पापड़ मिस ब्रांड पाए जाने पर एडीएम प्रशासन रामावतार कुमावत की कोर्ट ने संबंधित फर्मों पर कुल 07 लाख 75 हजार का जुर्माना लगाया है। एडीएम (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने बताया कि रिफाइंड कोकोनट ऑयल निम्न मानक सब स्टैंडर्ड पाए जाने पर बीछवाल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फर्म मैसर्स मोहन लाल आशीष कुमार पर 4 लाख का जुर्माना, दही सब स्टैंडर्ड पाए जाने पर लक्ष्मीनाथ घाटी बड़ा बाजार स्थित फर्म मैसर्स लालजी दूध भंडार पर 01 लाख और लक्ष्मीनाथ मंदिर रोड़ स्थित फर्म मैसर्स गायत्री दूध भंडार पर 25 हजार का जुर्माना, गाय का दूध सब स्टैंडर्ड पाये जाने पर गंगाशहर के चोपड़ा बाड़ी रास्ता स्थित मैसर्स वकील मावा भंडार बॉयलर पर 50 हजार का जुर्माना मावा सब स्टैंडर्ड पाए जाने पर नोखा में नवली गेट के पास बागड़ी कॉम्प्लेक्स में स्थित फर्म मैसर्स बीकानेर मावा भंडार पर 25 हजार का घी सब स्टैंडर्ड पाए जाने पर नोखा में बंधन बैंक के सामने स्थित फर्म मैसर्स जसनाथ मिल्क भंडार पर 25 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

चकगर्बी में अवैध कब्जे हटाए

बीकानेर, (कासं)। बीडीए के अधीन ग्राम चकगर्बी के खसरा नंबर 320 सरकारी जमीन पर अवैध कॉलोनियों बननी शुरू हो गई थी। बीडीए के पास शिकायतें पहुंची तो अब बीडीए ने कब्जे हटाने के लिए एक टीम बनाई है। टीम जेसीबी समेत तमाम दलबल लेकर पहुंचा और वहां लगे कॉलोनियों के बोर्ड हटाने शुरू किए।

बीडीए कमिश्नर अपर्णा गुप्ता ने बताया कि पहले खसरों के हिसाब से अवैध कॉलोनियों को चिन्हित किया गया। उसके बाद टीम गठित कर कब्जे हटाने की कार्रवाई हुई। इस बीच तमाम कॉलोनियों में लगे अवैध होर्डिंग्स हटाये गए। जमीन कब्जे से मुक्त कराई गई। हाथों हाथ बीडीए ने खुद के स्वामित्व वाले बोर्ड लगाये। कार्रवाई के दौरान विभाग के तमाम जेईएन, एईएन, थानाधिकारी मौजूद थे।

टेल तक पानी नहीं पहुंचने पर किसानों ने धरना लगाया

■ श्रीविजयनगर उपखंड के सूरतगढ़ ब्रांच की बिलोचिया माइनर के टेल तक सिंचाई पानी नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने धरना दिया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के श्रीविजयनगर उपखंड के सूरतगढ़ ब्रांच की बिलोचिया माइनर के टेल तक सिंचाई पानी नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने चक 12 और 13 बीएलएम 'बी' क्षेत्र में नहर में मिट्टी डालकर धरना शुरू कर दिया।

श्रीगंगानगर जिले के श्रीविजयनगर उपखंड के सूरतगढ़ ब्रांच की बिलोचिया माइनर के टेल तक सिंचाई पानी नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने मंगलवार को धरना शुरू कर दिया। किसानों ने बताया कि कई बार शिकायत और चेतावनी देने के बाद भी सिंचाई विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। मजबूरी में उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। किसानों ने बताया कि 27 मई 2025 को उपखंड अधिकारी और सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया था। उसमें साफ लिखा था कि यदि 10 जून तक समाधान नहीं हुआ तो नहर बंद कर धरना देंगे। इसके बावजूद विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। बिलोचिया माइनर बने 2 साल हो चुके हैं। लेकिन 12 और 13 बीएलएम टेल के मोघे अब तक सही जगह नहीं लगाए गए। इससे टेल तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। किसानों की लगातार तीन से चार फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। अब अगली फसल की भी कोई उम्मीद नहीं बची है।

पानी की कमी से पीने का संकट भी गहरा गया है। इंसानों के साथ मवेशियों और पक्षियों को भी पीने का पानी नहीं मिल रहा। ग्रामीण खारा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इससे बीमारियां फैल रही हैं। किसानों ने बताया कि 19 सितम्बर 2024 को जिला कलेक्टर अनूपगढ़ को ज्ञापन दिया गया था।

शिविर में बच्चों ने चित्रों से दिया योग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीकानेर, (कासं)। पतंजलि योग समिति एवं युवा भारत के तत्वावधान में एम.एम. ग्राउंड बीकानेर में चल रहे निःशुल्क योग एवं खेलकूद संस्कार शिविर के अंतर्गत आज एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को रचनात्मकता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और योग के प्रति जागरूक करना रहा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सैकड़ों बच्चों ने न केवल अपने हाथों से सुंदर और प्रेरणादायक चित्र बनाए बल्कि उनमें गहरे भाव और संदेश भी उकेरे। किसी ने योग को आध्यात्मिक जागृति का माध्यम बताया, तो किसी ने पृथ्वी के संरक्षण का आव्हान किया। बच्चों ने वृक्षों, योग आसनों, ध्यान मुद्रा, जल संरक्षण, स्वच्छता जैसे विषयों को अपनी कल्पना और रंगों से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

एम.एम. ग्राउंड बीकानेर में चल रहे निःशुल्क योग एवं खेलकूद संस्कार शिविर में बच्चों ने चित्र बनाकर योग और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

■ सैकड़ों बच्चों ने न केवल अपने हाथों से सुंदर और प्रेरणादायक चित्र बनाए बल्कि उनमें गहरे भाव और संदेश भी उकेरे

शिविर के संयोजक नंदकिशोर गहलोत ने बताया कि यह शिविर अब 25 जून तक चलेगा, जिसमें बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कारों से जोड़ने वाली विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां प्रतिदिन करवाई जा रही हैं।

बच्चों को प्रतिदिन योगाभ्यास, प्राणायाम, खेलकूद एवं विभिन्न रचनात्मक प्रेरणादायी गतिविधियां व संवादात्मक सत्रों से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि शिविर में प्रतिदिन विशेष अतिथि और प्रेरक वक्ताओं के माध्यम से बच्चों को जीवन निर्माण के लिए आवश्यक नैतिक मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान की प्रेरणा दी जा रही है।आज की चित्रकला प्रतियोगिता में विकास जोशी,भवानी शंकर सांखला, कैलाश स्वामी, ऋतु जोशी, शोभा कच्छावा, गौरी जोशी, तुलसी सांखला आदि मौजूद थे।

न्यूरो एवं स्पाइन परामर्श शिविर

बीकानेर,(कासं)। सादुल कॉलोनी एक्स-रे गली स्थित एआईबीएस क्लीनिक में डॉ. दीपक बारिया की पहल पर विशाल न्यूरो एवं स्पाइन परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 100 से अधिक रोगियों को निशुल्क चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया।

विशेष रूप से 3 से 4 हजार रूपए तक की विभिन्न जांचें भी मुफ्त में करवाई गई। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सीधा लाभ मिला। शिविर में उम्र या बीमारी की स्थिति से प्रभावित व्यक्तियों को विशेष सलाह और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। क्लीनिक का नियमित समय सुबह 9 से 11 बजे तथा शाम को 4 से 8 बजे तक रहता है। इसके अतिरिक्त भारतीय सेना के सदस्यों के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की गई।

डॉ. दीपक बारिया ने कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। ऐसे शिविरों के माध्यम से हम अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/4045 | सार्वजनिक आपत्ति सूचना | दिनांक : 09-06-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोनिया नेहरा पुत्री श्री महावीर सिंह नेहरा निवासी 84/26 मंडोर रोड, पाहड़गंज पहला कॉलोनी, जोधपुर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 51 किला नं. 20, 21 भूखण्ड संख्या एस-09 माप 13 इन्टू 40 फीट श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का पट्टा संख्या 9610 दिनांक 10.07.2018 को श्री गगनदीप सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह के नाम से जारी किया हुआ है।	श्रीमती सोनिया नेहरा द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत बेचनामा दिनांक 03.04.2025 के द्वारा प्राप्त कर उक्त भूखण्ड का ऑनलाईन नामान्तरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती सोनिया नेहरा पुत्री श्री महावीर सिंह नेहरा निवासी 84/26 मंडोर रोड, पाहड़गंज पहला कॉलोनी, जोधपुर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों की आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY24-25/MUT/91 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

धोनी बल्लेबाज को काफी तेज स्टंप करने में माहिर हैं। 43 साल की उम्र में भी धोनी में अभी भी वह फुरती हैं। धोनी ने 2019 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह आईपीएल में अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए विकेटकीपिंग करते हैं। - रवि शास्त्री

भारत के पूर्व कोच, लंदन में हॉल ऑफ फेम कार्यक्रम के तहत बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

वेस्टइंडीज टीम के बांये हाथ के तूफानी बल्लेबाज एवं पूर्व कप्तान निकोलस पूरन ने महज 29 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पूरन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा, बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय लिया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। इसके साथ खुशी, उद्देश्य और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की यादें है। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भिड़ेंगे। दोनों टीमें 113 साल पहले भी लॉर्ड्स पर टेस्ट मैच में भिड़ चुकी हैं।

पहला आईसीसी खिताब जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका को तोड़ना होगा ऑस्ट्रेलियाई तिलिस्म

लंदन, 10 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में दक्षिण अफ्रीकी टीम 2023-2025 का खिताब जीतने के लिए बुधवार से शुरू होने वाले फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया का अजेय प्रदर्शन उसे खिताब का प्रबल दावेदार बनाता है। इसे देखते हुए दोनों टीमों के बीच रोमांचक भिड़ंत होने की उम्मीद है। दक्षिणी अफ्रीका क्रिकेट टीम ने डब्ल्यूटीसी में 2019-2021 में पांचवें और 2021-2023 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद इस बार फाइनल में अपनी जगह बनायी है।

टेस्ट क्रिकेट की दो सबसे बेहतरीन फॉर्म में चल रही टीमों के बीच कल से शुरु होने वाला फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। दक्षिण अफ्रीका की टीम लगातार पांच टेस्ट जीतने के बाद लंदन पहुंची है, जिसमें इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान पर 10 विकेट से मिली शानदार जीत भी शामिल है।

तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया की अनुपस्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा, मार्को जेनसन और स्पिनर केशव महाराज की अगुआई में एक मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। वहीं बल्लेबाजी क्रम की बात की जाये तो कप्तान टेम्बा बावुमा ने पूरे मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और रयान रिकेल्टन का इंग्लिश परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन रहा। संभावित एकादश ट्रिस्टन स्टब्स जैसे युवा और वियान मुल्डर जैसे ऑलराउंडर भी शामिल हैं, जोकि टीम के बेहतर संतुलन को दिखाता हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया पिछले छह टेस्ट में अजेय रहने के कारण खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम अनुभव और गहराई से भरपूर है।

कमिंस, मिशेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को ऑफ स्पिनर नाथन लियोन और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर संजयोजन किसी भी विपक्षी टीम पर भारी पड़ सकता है। अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर स्थित अनुभवी उस्मान ख्वाजा और स्टीव स्मिथ बल्लेबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि ट्रैविस हेड और मार्नस लैबुशेन मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर आस्ट्रेलिया विश्व कप चैंपियनशिप जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि लॉर्ड्स की उछाल भरी पिच धीरे-धीरे मैच के आगे बढ़ने पर बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है। पहली पारी में 400 के आसपास का स्कोर की उम्मीद है। मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार पहले दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने का भी अनुमान है, लेकिन शेष दिन शुष्क रहने के आसार है। दोनों टीमें टॉस जीतने पर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनेंगी, जिसका लक्ष्य मैच में बाद में होने वाली बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाना होगा।

दक्षिण अफ्रीका के साथ कल से शुरु हो रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया एकादश इस प्रकार है:- उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन और जॉश हेजलवुड।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की एकादश इस प्रकार है:- एडन मारक्रम, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेट कीपर), मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचने से चूकने पर भी टीम इंडिया को मिलेंगे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली, 10 जून। 11 जून से 15 जून तक इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं जो भी टीम चैंपियन बनेगी उसे प्राइज मनी के तौर पर करोड़ों की धनराशि मिलेगी। हालांकि, चैंपियन टीम के अलावा रनर-अप टीम और भारतीय टीम पर भी पैसों की बारिश होगी।टीम इंडिया भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई हो लेकिन उस पर आईसीसी की तरफ से पैसों की बरसात होगी। उसे तकरीबन उतने पैसे मिलेंगे जितने पैसे 2021 और 2023 के डब्ल्यूटीसी चैंपियन को मिले थे। ये मुमकिन हुआ है इसलिए कि आईसीसी ने डब्ल्यूटीसी की इनाम राशि को बढ़ाकर तकरीबन दोगुना कर दिया है। तीसरे नंबर पर रहकर इस बार फाइनल चूकने पर भारत को 14.4 लाख डॉलर यानी करीब 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले दो फाइनल में भारत हारकर रनर अप रहा था तब उसे 8-8 लाख डॉलर ही मिले थे।

इस बार फाइनल जीतने वाली टीम को 36 लाख डॉलर की इनाम राशि मिलेगी। ये 2021 की चैंपियन न्यूजीलैंड और 2023 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को तब मिली इनाम राशि के दोगुने से भी ज्यादा है। इस बार डब्ल्यूटीसी फाइनल हारने वाली टीम को 21.6 लाख डॉलर मिलेंगे। यानी इस बार के रनरअप को पिछले दो चैंपियंस को मिली इनाम राशि से भीज्यादा मिलेंगे। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और 2021 में न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने पर 16-16 लाख डॉलर ही मिले थे। दोनों ही बार फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी और उसे 8-8 लाख डॉलर की इनाम राशि मिली थी। इस बार तीसरे नंबर पर रहने वाली भारतीय टीम को 14.4 लाख डॉलर मिलेंगे जो भारतीय मुद्रा में करीब 12.32 करोड़ रुपये है।

यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे गायकवाड़

लंदन, 10 जून। राणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रहे रुतुराज गायकवाड़ काउंटी क्लब यॉर्कशायर के लिए क्रिकेट खेलेंगे। रुतुराज गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ खेलने के लिए अनुबंध किया है। वह सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और चेतेश्वर पुजारा के बाद चौथे भारतीय बल्लेबाज है जो कि यॉर्कशायर की ओर से काउंटी खेलने वाले है। रुतुराज जुलाई में सरे के खिलाफ रोथसे काउंटी चैम्पियनशिप से पहले यॉर्कशायर टीम से जुड़ेंगे।

28 वर्षीय गायकवाड़ ने भारत के लिए छह एकदिवसीय और 23 टी-20 मैच खेले हैं और वर्तमान में इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारत ए टीम का हिस्सा हैं। उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 16 शतकों के साथ उनका औसत 56.15 रहा है। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ खेलने को लेकर कहा, मैं इंग्लैंड के बाकी घरेलू सत्र के लिए यॉर्कशायर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। इस देश में क्रिकेट का अनुभव करना हमेशा से मेरा लक्ष्य रहा है और इंग्लैंड में यॉर्कशायर से बड़ा कोई क्लब नहीं है। मुझे पता है कि मैं सत्र के महत्वपूर्ण हिस्से में शानदार प्रदर्शन करना है।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता

जयपुर, 10 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में आज सवाई माधोपुर, नागौर, भरतपुर, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जोधपुर ,चित्तोड़, बांसवाड़ा, पाली, अजमेर, झुंझनू जीते। कोल्विन शील्डमें आज सबसे बड़ा धमाका जोधपुर में हुआ। वास्तविकता के पहले जोधपुर के खिलाफ 425 ब्लास्ट का रिकॉर्ड खड़ा किया गया। बाद में असेंबल को 56 टुकड़ों पर आउट कर 369 टुकड़ों में बनाया गया। जोधपुर के जीत सीजन में अभी तक खेले गए मुकाबलों की सबसे बड़ी जीत रही। कोल्विन शील्ड के चौथे दिन कुल 6 खिलाड़ियों ने शतक ठोके। वहीं 5 लोग ऐसे रहे, मैच में 5 या 5 से ज्यादा विकेट अपने नाम। आज भूपेंद्र शर्मा, अभिषेक प्रताप सिंह, भवानी सुथार, अजय भाटी, सौरव यादव, तनिष्क सिंघल, अनिरुद्ध

सिंह, कार्तिक शर्मा, शुभम गढ़वाल, रामनिवास गोलाडा, विजय कुमावत, हनुमान बेनीवाल, रमन घारू, मीत भावसार, सचिन शर्मा, देवव्रत शर्मा, अजय राज सिंह, करण मीणा, नवीन कुमार का शानदार प्रदर्शन रहा।

दौसा को रोमांचक मुकाबले में हनुमानगढ़ ने एक विकेट से हराया

जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया गया की कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में दौसा का दूसरा मैच हनुमानगढ़ से था जिसमे हनुमानगढ़ ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी को चुना। इस अहम मुकाबले में दौसा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही दौसा की टीम 20 रन पर पांच विकेट गिर गए फिर बल्लेबाजी के लिए सचिन शर्मा ने आक्रामक पारी खेलते हुए 90 रन और देवकृत शर्मा ने नाबाद 80 रन बनाए जिसकी बदौलत 213 रन का स्कोर खड़ा किया। बाद में बल्लेबाजी करते हुए हनुमानगढ़ को दौसा के गेंदबाजों ने कसकर गेंदबाजी की और अंतिम ओवर तक हनुमानगढ़ की टीम को बांधकर रखा परंतु हनुमानगढ़ ने एक विकेट से जीत दर्ज की ।दौसा की ओर से गेंदबाजी करते हुए करण मीणा ने 42 रन देकर 5 विकेट और ध्रुव सेठी ने 38 रन देकर दो विकेट लिए। सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा सभी खिलाड़ियों को आगामी मैचो में अपनी कमजोरी को दूर कर शानदार खेलने हेतु प्रेरित किया। दौसा का अगला मैच कल अजमेर से होगा ।

जयपुर जिले की अंडर-14 और अंडर-15 बॉयज फुटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल

जयपुर, 10 जून। राजस्थान फुटबाल संघ अंडर 15 बालक वर्ग की स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता 22 जून से 24 जून तक सीकर में और अंडर 13 बालक वर्ग की स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता 27 जून से 30 जून तक अजमेर में आयोजित करने जा रहा है। इसमें भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु एक ट्रायल का आयोजन आगामी 15 जून (रविवार) को चौगान स्टेडियम, जयपुर में आयोजित की जा रही है। अंडर 15 बालक प्रतियोगिता के लिए 2010 और 2011 में जन्म लिए खिलाड़ी और अंडर 13 बालक प्रतियोगिता के लिए 2012 और 2013 में जन्मे खिलाड़ी और उनका आधार कार्ड जयपुर जिले का है यानी कि वह जयपुर जिले के निवासी हैं वह इस ट्रायल में भाग लेने के लिए पात्र हैं। सभी इच्छुक खिलाड़ियों को रविवार 15 जून को सुबह 7:00 बजे तक चौगान स्टेडियम के फुटबॉल मैदान पर ट्रायल हेतु रिपोर्ट करनी है। ट्रायल में भाग लेने हेतु सभी इच्छुक खिलाड़ियों को 14 जून तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है अन्यथा उन्हें ट्रायल में भाग लेने नहीं दिया जाएगा। संपर्क सूत्र - अब्दुल जब्बार (9928369917), मनोज शर्मा (9414441770), डॉ दिलीप सिंह चुंडावत (9314441705), सेबी फिलिप्स (9828999467)

बीकानेर

गोटा मिलों में धोकर बेचे जा रहे थे मूंगफली और मूंग के नकली बीज

बीकानेर, (कासं)। जिले में नकली खाद और बीज का कारोबार वर्षों से गुपचुप तरीके से फल-फूल रहा था। कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों और बड़े व्यापारियों की मिलीभगत से यह अवैध व्यापार इतना मजबूत हो चुका था कि किसानों की मेहनत, पूंजी और उम्मीदें साल दर साल बर्बाद होती रहीं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के सख्त निर्देश पर शुरू हुए कृषि आदान गुण नियंत्रण अभियान ने इस काली सच्चाई को उजागर किया है। अगर यह कार्रवाई नहीं होती तो आने वाले खरीफ सीजन में हजारों किसान नकली खाद-बीज के कारण भारी नुकसान झेलने को मजबूर होते। यहां नकली डीएपी और अन्य उर्वरकों की ब्रांडेड पैकिंग में रिसाइकल सामग्री या केमिकल्स भरे जा रहे थे। बीजों के मामले में मूंगफली और मूंग जैसे बीजों को गोटा मिलों में धो-पोंछकर बीज के रूप में बेच दिया जाता था।

जिन दुकानों से नकली खाद-बीज बरामद हुए हैं, उनके लाइसेंस रद्द किए जाएं। किसानों को नकली उत्पाद बेचने वालों पर एफआईआर दर्ज हो। विभागीय अधिकारियों की भूमिका की स्वतंत्र जांच कर कार्रवाई की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में नकली आदान बेचने वाले मोबाइल विक्रेताओं पर निगरानी बढ़े। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा शुरू किया गया छापेमारी अभियान इस पूरे नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई साबित हुआ है। इस दौरान 543.50 क्विंटल नकली बीज, 18 क्विंटल नकली उर्वरक, और 29 नमूने जांच के लिए जब्त किए गए। नेशनल क्रॉप साइंस, श्री चारभुजा एग्रो इंडस्ट्रीज, लक्ष्मी एग्री एजेंसी, जयदयाल एग्रो सहित कई नामी प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई हुई। यह खुलासा हुआ कि कुछ जगहों पर इफको जैसी कंपनियों के पैकेटों में नकली माल भरा गया था।

- **लम्बे समय तक नकली उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता खत्म हो सकती है**

भारतीय किसान संघ बीकानेर के जिला अध्यक्ष शंभू सिंह राठौड़ ने सरकार को पत्र लिखकर स्पष्ट कहा है कि यह कार्रवाई सराहनीय है लेकिन तब तक अधूरी है जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती। जिन अधिकारियों की मिलीभगत से यह धंधा चल रहा था, उन पर भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि नोखा और बीकानेर में पकड़े गए नकली डीएपी प्रकरण की स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाई जाए और इफको को कानूनी रूप से जवाबदेह बनाया जाए।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह कार्रवाई समय पर नहीं होती तो खरीफ सीजन में हजारों किसानों को नुकसान होता। नकली बीजों से अंकुरण नहीं होता या कमजोर पौधे निकलते हैं। नकली खाद से पौधों को पोषण नहीं मिलता, जिससे उपज 40-60 प्रतिशत तक घट जाती है।

किसान कर्ज लेकर बीज और खाद खरीदते हैं, ऐसे में नकली उत्पाद मिलने पर आर्थिक तबाही आती है। लम्बे समय तक नकली उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता खत्म हो सकती है। बीकानेर जिले में नकली खाद और बीज का कारोबार कोई नया नहीं है। सालों से यह काम सुनियोजित ढंग से चल रहा था, जिसमें कुछ सरकारी अफसरों, लाइसेंसी व्यापारियों और नामी कंपनियों के स्थानीय प्रतिनिधियों की मिलीभगत रही है।

होनहार प्रतिभाओं का सम्मान किया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जाट समाज की ओर से मोती पैलेस में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता नेतेवाला के पूर्व सरपंच हेतराम सहाराण ने की।

समाज की ओर से शिक्षा क्षेत्र में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर नेहा पुत्री हेमराज चौधरी, विनिता कुकणा पुत्री विजय सिंह, प्रिया सहारण, कोमल व खेल में अंकिता पूजा, जूडो में स्नेह हुड्डा, आरती हैण्डबॉल अंकित, ललित, दिवाकर, टीना सहित करीब 50 प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि एसडीएम रणजीत सिंह थे। विशिष्ट अतिथि आरएएस अजयपाल ज्याणी, आईपीएस दलीप जाखड़, जगदीश राव, साहबराम चाहर थे। समारोह में सबसे पहले अतिथियों को साफा व सम्मान प्रतीक से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से प्रतिभाओं की हौसला अफजाई तो होती ही है, साथ ही अन्यों को प्रेरणा मिलती हैं। इस समारोह को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। युवाओं ने कहा कि इस तरह के समारोह समय-समय पर होते रहने चाहिए। वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बालिका शिक्षा पर जोर दिया।

श्रमदान कर प्राचीन तालाब, जोहड़ की सफाई की

बीकानेर,(कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में चल रहे 'वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' के पांचवें दिन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा जल संरक्षण के प्रति प्रेरित करना था। इसके मद्देनजर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि जिले की समस्त पंचायत समितियों में विभिन्न जन कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके तहत जिले के नवीन 9 अमृत सरोवर प्रारंभ करने को लेकर कार्य योजना तैयार की गई। साथ ही जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारंभ एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन किया गया।

उन्होंने बताया कि हरियालो राजस्थान के तहत आगामी मानसून में पौधारोपण किए जाने वाले कार्यों की अग्रिम तैयारियां की गई। साथ ही ग्रामीणों के सामूहिक श्रमदान प्राचीन तालाब, जोहड़ इत्यादि की साफ-सफाई एवं

- **वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित**
- **आगामी मानसून में पौधारोपण किए जाने वाले कार्यों की अग्रिम तैयारियां की गई**

मरम्मत कार्य भी करवाए गए। इन कार्यक्रमों में ओरण का चिन्हीकरण एवं घास बुवाई की पूर्व तैयारियां शुरू की गई।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत चल रहे कार्यों का भौतिक अवलोकन व सत्यापन किया गया। स्वच्छता का संदेश घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत के सभी जल स्रोतों व सोखते गड्ढे की मैपिंग, साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य किए। उन्होंने बताया कि गांव के मुख्य चौराहों व सार्वजनिक स्थलों के साफ-सफाई आदि कार्य करवाए गए। अभियान में ग्रामीण वासियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई व ग्रामीण क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

अपूपगढ़ में लैला मजनू मेला 11 से शुरू

अनूपगढ़, (कासं)। लैला मजनू मजार पर लगने वाले पांच दिवसीय मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस वर्ष मेला 11 से 15 जून तक आयोजित किया जायेगा। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड ने मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

थानाधिकारी ने बताया कि इस बार मेले का आयोजन एक दिन अधिक होगा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए विशेष पुलिस बल तैनात किया जायेगा। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण विशेष सतर्कता बरती जायेगी। मेले में लगने वाली सभी दुकानों का वेरिफिकेशन किया जायेगा। आने-जाने वाले वाहनों पर कड़ी नजर रखी जायेगी। किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को देने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान लैला मजनू विकास समिति के सदस्य और सरपंच मौजूद रहे। कमेटी के अध्यक्ष देशराज, प्यारा सिंह, परमजीत सिंह सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। थानाधिकारी ने कमेटी के साथ कानून व्यवस्था पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कमेटी के सदस्यों से भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने बांटे ओआरएस के पैकेट किया आमजन को जागरूक

-भीषण गर्मी जारी आमजन बरतें एहतियात लू.तापघात से बचाव बेहद जरूरी

श्रीगंगानगर,(कासं)। जिले में अत्यधिक गर्मी के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से फिर से विशेष ऐहतियात बरतने की अपील की है।

विभाग ने स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ ही अब सार्वजनिक स्थलों पर विशेष टीम लगाकर ओआरएस वितरण करते हुए आमजन को जागरूक किया। इन दिनों अत्यधिक गर्मी व लू व तापघात होने से आमजन चपेट में आ सकते हैं। सीएमएचओ डॉ अजय सिंगला ने बताया कि इन दिनों भीषण गर्मी का दौर जारी है और इस दौरान जागरूक रहना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि विभागीय टीम इन दिनों ओआरएस वितरण करते हुए आमजन को जागरूक करने में जुटी है। मंगलवार को स्थानीय टीम ने बस स्टैंड रेलवे स्टेशन एवं धानमंडी जैसे प्रमुख आवाजाही वाले स्थलों पर विशेष टीमें नियुक्त की जो आगामी दिनों में भी कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि सभी अस्पतालों में रोगियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, संस्थान में रोगी के उपचार के लिए आपातकालीन किट में ओआरएस ड्रिपसेट सहित अन्य आवश्यक दवाईयां रखने के निर्देश पूर्व में दिए हैं।

किसानों को उन्नत कृषि एवं बागवानी की नवीनतम तकनीक की जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान (29 मई से 12 जून के अंतर्गत केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान एवं अन्य संस्थानों (के.वी.के. बीकानेर, लूणकरनसर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज जिले के लाखुसर, कालासर, दाउदसर, श्रीडूंगरगढ़, जोधासर, लखासर, पुनरासर,, छतरगढ़, सत्तासर, छतरगढ़, मोतीगढ़ एवं पूगल, रामिया फांटा, गोगलीवाली, मोंगराला ब्लॉक में विभिन्न किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

किसानों को उन्नत कृषि एवं बागवानी किस्मों, नवीनतम तकनीकों, कृषि पद्धतियों तथा केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. दिलीप कुमार समादिया ने श्रीडूंगरगढ़ ब्लॉक के जोधासर, लखासर, पुनरासर में आयोजित किसान गोष्ठियों के दौरान बागवानी संस्थान द्वारा

विकसित कृषि संकल्प अभियान में आयोजित गोष्ठी में डॉ. एस. आर. मीणा ने किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक की जानकारी दी।

विकसित जलवायु अनुकूल सब्जियों की किस्मों (काचरी, काकड़िया, लौकी, ग्वार फली, बेंगन, पालक, कूंदरू) की कम लागत वाली उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के साथ- साथ संस्थान द्वारा विकसित खेजड़ी-थार शोभा की उपयोगिता एवं इनमें समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर भी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान छतरगढ़ ब्लॉक के सत्तासर, छतरगढ़, डांडी गावों में किसान गोष्ठी के दौरान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. शिवराम मीना ने संस्थान द्वारा विकसित शुष्क क्षेत्रीय फल एवं सब्जियों की तकनीकियों को किसानों के खेत पर प्रक्षेत्र प्रदर्शन के रूप में प्रकाश डालते हुए कहा कि इनकी उत्पादन तकनीक एवं इनके मूल्य संवर्धन द्वारा किसान अधिक लाभ ले सकते है। साथ ही उन्होने संस्थान द्वारा समय-समय फल एवं सब्जियों पर दिये जाने वाले कृषक प्रशिक्षण के बारे में भी चर्चा की।

- **विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत किसान गोष्ठियों का आयोजन**

गुरूदेव तुलसी ने संपूर्ण जैन समाज के लिए उपकार किया

बीकानेर, (कासं)। गुरूदेव आचार्य तुलसी के 29 में महाप्रयाण दिवस की उपलक्ष में आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान की ओर से सात दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में प्रथम दिवस का कार्यक्रम शांति निकेतन वयोवृद्ध साध्वी सेवा केन्द्र में आयोजित किया गया।

साध्वियों के द्वारा एक शब्द चित्र तुलसी के अवदान विषय पर प्रस्तुत किया गया। साध्वी शशी रेखा ने कहा की गुरुदेव तुलसी ने साध्वियों के ऊपर बहुत बड़ा उपकार किया है उन्हें शिक्षा देकर। साध्वी लब्धियशा ने कहा गुरूदेव तुलसी ने सिर्फ तेरापंथ को ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए उपकार किया है वह है आगम संपादन का जिसे आगे को 100 वर्षों में करना संभव नहीं है। उस कार्य को उन्होंने 25 वर्ष में पूर्ण कर दिखाया। समणी मधुर प्रज्ञा ने कहा कि गुरुदेव तुलसी युग दृष्टा दूरदर्शी थे उन्होंने सदैव अपने शिष्यों को उनकी साधना में आगे बढ़ाने के लिए सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

निविदा आमंत्रित करने की सूचना दिनांक :- 09/06/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
निविदा संख्याः RSMM/CO/PROJ/Solar Power/2025-26/02 दिनांक 06/06/2025 UBN No. MML2526WLOB00032	रिपेयर एण्ड रिस्टोरेषन एवं कम्प्रेहैन्सिव ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस ऑफ सोलर पावर प्रोजेक्ट 5 मेगावाट एट गजनेर डिस्ट्रिक्ट बीकानेर इन स्टेट ऑफ राजस्थान। धरोहर राशिः बोली सुरक्षा के एवज रूपये 16.00 लाख, निविदा शुल्कः राशि रू. 4720/- नकद/ डीडी द्वारा आर.एस.एम.एम.एल., उदयपुर के पक्ष में देय, प्रसंस्करण शुल्क राशि रू. 2500/- डीडी द्वारा एमडी आरआईएसएल, जयपुर के पक्ष में देय। निविदा डाउनलोड करने की तिथि 06.06.2025 26.06.2025 अपरान्ह 1.00 बजे तक एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि 26.06.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा समूह महाप्रबन्धक (परियोजना) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/3935 उप महाप्रबंधक (का.एवं प्रशा.)

खड़गे ने प्र.मंत्री मोदी को पत्र लिखकर लोकसभा के उपाध्यक्ष की नियुक्ति की मांग की

खड़गे ने पत्र में लिखा कि पहली संसद से सोलहवीं संसद तक सदा उपाध्यक्ष का चुनाव संसद के द्वितीय/तृतीय सत्र में हो जाता था, पर, अब अकारण ही यह संवैधानिक परम्परा टूट रही है

- सत्रहवीं लोकसभा के पूरे कार्यकाल में उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई थी और इस बार भी अठारहवीं लोकसभा को गठन हुए एक साल हो गया है, पर, उपाध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरु होती नज़र नहीं आ रही।
- अपने पत्र में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी याद दिलया कि यह स्थापित परम्परा है कि उपाध्यक्ष सदन में विपक्ष की पार्टी का नुमाइन्दा ही होता आया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज निर्वाचित संसद के सदन की लोकतांत्रिक परंपराओं में हो रही एक गंभीर चूक को उजागर किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान लोकसभा उपाध्यक्ष के एक साल से रिक्त पड़े पद की ओर आकर्षित किया, और संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद, इस मामले में हो रही देरी को रेखांकित करते हुए तत्काल चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में, खड़गे ने कहा कि पहली से सोलहवीं तक, प्रत्येक लोकसभा में संसद के दोनों सदनों में एक उपाध्यक्ष की नियुक्ति देखी गई थी, और उक्त पद पर प्रमुख विपक्षी दल के सदस्यों में से किसी व्यक्ति को नियुक्त किये जाने की एक "सुस्थापित परम्परा" रही है।

खड़गे ने कहा, "लेकिन स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों से खाली पड़ा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था और यह चिंताजनक परंपरा इस समय चल रही अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है।" इसे अत्यधिक चिंताजनक मामला बताते हुए, खड़गे ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 93, लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों के चुनाव को अनिवार्य बताता है। उन्होंने आगे कहा कि संवैधानिक रूप से, अध्यक्ष के बाद सदन का दूसरा सर्वोच्च पीठासीन अधिकारी उपाध्यक्ष होता है, तथा संविधान का अनुच्छेद 93 इस पद पर नियुक्ति का प्रावधान करता है। खड़गे ने सम्बंधित धारा के तहत प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा, "लोक सभा, यथाशीघ्र, सदन के दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी और, जब भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होगा, सदन, स्थिति के अनुरुप, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में दूसरे सदस्य को चुनेगा।"

उपाध्यक्ष के चुनाव के संबंध में, उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 93 में यह निर्धारित है कि सदन "यथाशीघ्र" एक उपाध्यक्ष चुनेगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से, उपाध्यक्ष का चुनाव नवगठित लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में होता रहा है।

खड़गे ने कहा, "इस चुनाव की प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव के समान है, जिसमें एकमात्र अंतर यह है कि लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 8(1) के अनुसार, उपाध्यक्ष के चुनाव की तारीख अध्यक्ष द्वारा तय की जाती है।"

खड़गे ने आगे कहा कि इस पद का रिक्त रहना "भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ नहीं है और संविधान के सुस्थापित प्रावधानों का भी उल्लंघन है।" उन्होंने मोदी से सदन की परंपराओं और संसद की लोकतांत्रिक लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, बिना किसी और देरी के, इस प्रक्रिया को शुरू करने का आग्रह किया।

'प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने से लेकर अब तक प्रदेश को 2 लाख 11 हजार करोड़ रूपए केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में प्राप्त हुए हैं। राज्य के 4.5 करोड लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में मुफ्त अनाज प्रदान किया गया है। प्रेसवार्ता से पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यों को समर्पित प्रदर्शिनी का शुभारंभ किया। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संकल्प से सिद्धि तक अभियान के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मंच पर उपस्थित थे। मंच संचालन प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने किया।

इंडियन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा रणनीतिक पहुँच और गहराई। हालांकि, पाक वायु सेना अपने सीमित संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करती है, लेकिन राजनीतिक गठबंधन (जैसे अमेरिका या चीन) सीमित परिदृश्यों में संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं।

दिल्ली के द्वारका में भीषण आग तीन की मौत

- एक हाउसिंग सोसायटी में मंगलवार सुबह आग लग गई। आग से बचने के लिए एक 35 वर्षीय व्यक्ति अपने दो बच्चों के साथ नीचे कूद गया जिसमें तीनों की मौत हो गई।

नयी दिल्ली, 10 जून। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 में मंगलवार सुबह एक आवासीय हाउसिंग सोसाइटी में भीषण आग लगने के बाद इमारत से कूदे 35 वर्षीय व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इमारत में आग लगने के बाद तीनों ने खुद को बचाने के लिए हाउसिंग सोसाइटी के टॉप फ्लोर से छलांग लगा दी और तीनों की मौत हो गयी। मृतकों में एक दस वर्षीय लड़का और एक 12 वर्षीय लड़की शामिल हैं। मृतक की पत्नी किसी तरह आग से बच निकलने में सफल रही और बच गयी।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर सात दमकलों को मौके पर भेजा गया।

राजेश पायलट की ''पुष्पांजलि सभा''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर जाकर पुष्पाजंलि सभा के लिए उन्हें निमंत्रण दिया है। राजनैतिक गलियारों में इस निमंत्रण को लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता के पूर्व पीए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोक अभियोजक सुदेश ने अदालत को कहा गया कि यदि भविष्य में आरोपी जासूस से पूछताछ की आवश्यकता होगी तो अदालत की अनुमति से उसे रिमांड पर लिया जाएगा। इस पर अदालत ने आरोपी को 21 जून तक न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

गौरतलब है कि शकूर जैसलमेर में जिला रोजगार कार्यालय में कार्यरत था। पूछताछ में सामने आया है कि वह भारत में पाकिस्तान के हाई कमीशन के अफसर रहे एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में था और पाकिस्तान एम्बैसी में सोहेल कमर से भी मिलता था।

जासूसी का आरोपी शकूर खान भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर मंगलियों की ढाणी, बडोडा गांव का रहने वाला है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, शकूर खान कुछ समय पहले बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान गया था। संदिग्ध गतिविधि के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने शकूर को हिरासत में लिया।

शकूर साल 2008 में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर भी काम कर चुका है। उस वक्त सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे।

एनसीपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नागरिक चुनावों से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया, जबकि अजित के गुट ने दोहराया कि उनके पास विलय का कोई प्रस्ताव नहीं है और वे भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ अपने वर्तमान गठजोड़ के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संक्षेप में, आज कोई विलय नहीं हुआ, बस समानांतर कार्यक्रम हुए, जो उनके राजनीतिक अलगाव को दर्शाते हैं।

नाबालिग को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नवंबर 2020 की रात दीपक उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। उसने उसकी बेटी को रास्ते में नशीला पदार्थ पिलाकर उसे नवलगढ़ ले जाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। उसने बताया कि घटना के बाद से उसकी बेटी मानसिक रुप से बीमार हो गई है और उसका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अपने बयानों में उसके साथ दुष्कर्म होना बताया और डीएनए रिपोर्ट से भी यह साबित हुआ। पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसका जानकार था और उसने पहले अगस्त 2020 में उसे एक होटल में ले जाकर उससे संबंध बनाए और उसकी अश्लील वीडियो बनाई व फोटो खींच लिए। बाद में माता-पिता को मारने की धमकी देकर सितंबर में भी उसके साथ दुष्कर्म किया।

अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि रुपए लेने के लिए यह झूठा केस दर्ज कराया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

प्रियंका गांधी कहाँ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं और इसीलिए प्रियंका को कांग्रेस की महल की राजनीति और मौजूदा शक्ति प्रदर्शन में हाशिये पर रखना समझदारी है।

यह भी समझा जाता है कि इन घटनाक्रमों के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के करीब आ गई हैं, जो उनकी तरह राहुल गांधी के दाहिने हाथ माने जाने वाले नेता के शिकार हैं, जिन्हें राहुल गांधी द्वारा नियुक्तियाँ करने, निर्णय लेने और गांधी की ओर से कार्य करने के लिए पूरी तरह से खुली छूट दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी को राहुल गांधी के नाम पर, कुछ नेताओं द्वारा पार्टी चलाने के तरीके से कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराज़गी के बारे में प्रियंका जानती हैं।

केरल से सांसद बनने के बाद प्रियंका राज्य के घटनाक्रमों पर करीब से नज़र रख रही हैं और अक्सर राज्य के नेताओं से मिलती हैं और वहाँ की बैठकों में भाग लेती हैं और यह कई नेताओं को, विशेष रूप से राहुल के करीबियों को पसंद नहीं आ रहा, जो राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बड़े हिस्से का समर्थन न होने के बावजूद, राज्य के मुख्यमंत्री पद पाने की आकांक्षा रखते हैं।

साहू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस के मौजूदा डीजीपी उत्कल रंजन साहू को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर का अध्यक्ष बनाया है।

अब डीजीपी का पद रिक्त होने के कारण, एसीबी के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट पर भारतीय छात्र के साथ दुर्व्यवहार

- भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लिया, अमेरिकन प्रशासन से संपर्क किया।
- भारत स्थित अमेरिकन दूतावास ने दावा किया वह व्यक्ति अवैध रुप से अमेरिका आया था, ऐसे लोगों की कोई जगह नहीं है।

वॉशिंगटन, 10 जून। अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट पर भारतीय छात्र के साथ दुर्व्यहवार किए जाने की घटना पर भारत में गुस्सा देखा जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर छात्र को निर्वासित करने से पहले हथकड़ी लगाकर फर्श पर गिराया और घुटनों से उसकी गर्दन को दबाया। इस घटना का वीडियो भारत में सोशल मीडिया पर वायरल है। भारतीयों की ओर से गुस्से का इजहार किए जाने के बाद दिल्ली स्थित अमेरिका के दूतावास ने कहा है कि उनका देश कभी भी अवैध यात्रियों को जगह नहीं दे सकता है।

भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा है किअमेरिका हमेशा ही उन यात्रियों का स्वागत करता रहता है, जो कानूनी तरीके आते है। लेकिन हम अवैध तरीके से प्रवेश, वीज़ा के दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं और ना ही करेंगे। दूतावास ने कहा कि अमेरिका की यात्रा करना कोई अधिकार नहीं है।

न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर भारतीय छात्र के वायरल वीडियो पर संज्ञान लिया है। दूतावास ने आश्वासन दिया कि वे स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर लिखा, हमने सोशल मीडिया पर वह पोस्ट देखी है, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय नागरिक को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हम इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं और भारतीय नागरिकों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908